भोपाल, शुक्रवार
28
फरवरी 2025

दैनिक मध्य स्वर्णिम

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...
Scan QR Code to Read ePaper
www.madhyaswarnim.com

वर्ष - 12 • अंक-183 • पृष्ठ-08 • मूल्य-₹02

हमारी आराधना में कुछ कमी रह गई हो तो क्षमा करिएगा: मोदी

विश्व के सबसे बड़े सनातन आस्था के महाकुंभ का हुआ आधिकारिक समापन

नई दिल्ली /प्रयागराज। 45 दिनों तक चले महाकुंभ मेले का समापन हो गया है। इस आयोजन में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था और भक्ति के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। महाकुंभ मेला के समापन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि एकता का महायज्ञ पूरा हो गया है। उन्होंने तीर्थयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को हुई किसी भी असुविधा के लिए माफी भी मांगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'महाकुंभ संपन्न हुआज्एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में पूरे 45 दिनों तक जिस प्रकार 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ, एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ी, वो अभिभूत करता है।' पीएम मोदी ने कहा, 'मैं जानता हूं, इतना विशाल आयोजन आसान नहीं था। मैं प्रार्थना करता हूं मां गंगा से मां यमुना से मां सरस्वती से हे मां हमारी आराधना में कुछ कमी रह गई हो तो क्षमा करिएगा। जनता जनार्दन, जो मेरे लिए ईश्वर का ही स्वरूप है, श्रद्धालुओं की सेवा में भी अगर हमसे कुछ कमी रह गई हो, तो मैं जनता जनार्दन का भी क्षमाप्रार्थी हूं।'पीएम मोदी ने लिखा, 'प्रयागराज में हुआ महाकुंभ का ये आयोजन, आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए, प्लानिंग और पॉलिसी एक्सपर्ट्स के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है। पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक नदी तट पर, त्रिवेणी संगम पर इतनी बड़ी संख्या में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे। इन करोड़ों लोगों को ना औपचारिक निमंत्रण था, ना ही किस समय पहुंचना है, उसकी कोई पूर्व सूचना थी। बस, लोग महाकुंभ चल पड़े और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गए।'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा, 'प्रयागराज में जितनी कल्पना की गई थी, उससे कहीं ज्यादा संख्या में श्रद्धालु वहां पहुंचे। इसकी एक वजह ये भी थी कि प्रशासन ने भी पुराने कुंभ के अनुभवों को देखते हुए ही अंदाजा लगाया था। लेकिन अमेरिका की आबादी के करीब दोगुने लोगों ने एकता के महाकुंभ में हिस्सा लिया, डुबकी लगाई। आध्यात्मिक क्षेत्र में रिसर्च करने वाले लोग करोड़ों भारतवासियों के इस उत्साह पर अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि अपनी विरासत पर गौरव करने वाला भारत अब एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। मैं मानता हूं, ये युग परिवर्तन की वो आहट है, जो भारत का नया भविष्य लिखने जा रही है।

45 दिवसीय महाकुंभ का आधिकारिक समापन

प्रयागराज। 45 दिनों से चल रहे महाकुंभ मेले का गुरुवार को आधिकारिक रूप से समापन हो गया। महाकुंभ मेला 2025 के समापन कार्यक्रम में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत सरकार के विभागों ने महाकुंभ को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दौरान काशी विश्वनाथ और विंध्यवासिनी का एक सर्किट बना तो अयोध्या और गोरखपुर का दूसरा सर्किट बना। वहीं प्रयागराज से श्रृंग्वेरपुर होते हुए लखनऊ और नैमिषारण्य का तीसरा सर्किट एवं प्रयागराज से लालापुर-राजापुर और चित्रकूट का चौथा सर्किट तथा प्रयागराज से वृंदावन का पांचवा सर्किट बना। प्रयागराज के लोगों को विशेष धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा, 'प्रयागराज वासियों ने इस आयोजन को अपने घर का आयोजन माना, उत्तर प्रदेश के लोगों ने हर जगह श्रद्धालुओं और साधु-संतों का स्वागत किया, मैं सभी का अभिनंदन करता हूं।

नरोत्तम या कोई और होगा उत्तम?

मध्य प्रदेश में नए प्रदेश अध्यक्ष की होने वाली संभावित घोषणा को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। अभी हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष को लेकर दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई थी। इससे पहले भोपाल में इन्वेस्टर समिट के समापन के बाद एयरपोर्ट लाउंज में अमित शाह और कैलाश विजयवर्गीय की गुप्त चर्चा हुई ।कैलाश विजयवर्गीय भोपाल से इंदौर सड़क मार्ग से जा रहे थे, तब अमित शाह में उन्हे स्टेट हैंगर पर बुलाया और वहीं गुप्त वार्तालाप हुई ।सूत्रों की माने तो चर्चा का कारण मध्य प्रदेश में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को लेकर निर्णय करना था ।मार्च के प्रथम सप्ताह में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का नाम फाइनल करना है ।साथ ही साथ 20 मार्च तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने की भी संभावना है, बीजेपी के संविधान के मुताबिक इसके लिए आधे राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होना जरूरी है । देश के लगभग 12 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव हो चुके हैं। अभी भी 6 राज्यों में यह प्रक्रिया पूरी होनी बाकी है। इन्हीं चुनावों के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। देश में कुल 18 राज्य हैं, जहां बीजेपी की सरकार है या फिर प्रमुख विपक्षी दल है। इसलिए 9 राज्यों में चुनाव पूरा होना अनिवार्य है ।यह संभावना भी बहुत अधिक है कि निवर्तमान अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा का कार्यकाल नहीं बढ़ाया जाएगा। कारण यह है की विष्णुदत्त शर्मा को संसद की याचिका समिति में जगह दे कर उनके कार्यकाल पर लगभग विराम लगा दिया गया है ।सूत्रों की माने तो इसका फायदा सीधे तौर पर नरोतम मिश्रा को मिल सकता है ।नरोत्तम मिश्रा ने 2020 में ऑपरेशन लोटस के तहत कांग्रेस की सरकार को गिराने में अहम भूमिका अदा की थी ।उसके बाद पार्टी में उनका कद बढ़ गया था लेकिन 2023 में खुद की विधानसभा में हार गए थे। उसके बावजूद उनका सम्मान पार्टी ने बरकरार रखा ।पार्टी ने जहाँ -जहाँ चुनाव हुए उन्हें चुनाव प्रबंधक के रूप में भेजा जिसका फ़ायदा पार्टी को मिला ।लोकसभा में उनको टिकिट ना देकर केंद्रीय नेतृत्व ने आश्वासन दिया था की समय आने पर बड़ी जिम्मेदारी देंगे ।जिस कारण कयास लगना शुरू हो गई है की अब पार्टी उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बना सकती है ।इसका दूसरा प्रमुख कारण उनका ब्राम्हण होना भी है। आलाकमान संगठन की बागडोर ब्राम्हण को सौंपकर एक बड़े मतदाता वर्ग को सन्देश भी देना चाहेगा। सूत्रों द्वारा खबर ये भी आई है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया , कैलाश विजयवर्गीय के अलावा विष्णु दत्त शर्मा ने भी नरोत्तम के नाम पर अपनी सहमति आलाकमान को जाहिर कर दी है ।वैसे आलाकमान के पास और भी नाम प्रमुखता से भेजे गए है जिसमे सुमेर सिंह सोलंकी ,दुर्गादास उइके,हेमंत खंडेलवाल,आलोक शर्मा जैसे नाम है । मध्य प्रदेश भाजपा का कप्तान मार्च के पहले सप्ताह में आ जाएगा । खुद कैलाश विजयवर्गीय भी इस दौड़ में चल रहे हैं अब देखना होगा पार्टी किस पंक्ति के कार्यकर्ता को स्थान देगी ।निर्णय चाहे जो भी हो लेकिन इतना तो तय है इस बार प्रदेश अध्यक्ष के चयन में सस्पेंस और सरप्राइज दोनों ही फैक्टर से पर्दा अगले सप्ताह ही उठेगा।

मध्य स्वर्णिम
राजकाज

राकेश व्यास
मो. 9977701999

विक्रम व्यापार मेले में बढ़ी इलेक्ट्रिकल वाहनों की पूछ

वाहनों पर रोड टैक्स में 50 प्रतिशत तक की छूट मिल रही

उज्जैन। महाशिवरात्रि के मौके पर उज्जैन में विक्रमोत्सव 2025 की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसका उद्घाटन किया। इस उत्सव में एक बड़ा व्यापार मेला और वाहन मेला भी लगा है। वाहनों पर रोड टैक्स में 50 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है, जिससे लोगों में खासा उत्साह है। मेला 25 मार्च तक चलेगा, हालांकि इसे 6 अप्रैल तक बढ़ाने की मांग की गई है ।विक्रमोत्सव के दौरान शुरू हुए वाहन मेले में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। शहरवासी और पर्यटक दोनों ही इस मेले में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस साल वाहन मेले में इलेक्ट्रिक व्हीकल की मांग में जबरदस्त उछाल आया है। पहले ही दिन लगभग 500 कारों की बुकिंग हो चुकी है। इनमें से ईवी की बुकिंग पिछले साल के मुकाबले काफी ज़्यादा है। पिछले साल केवल 40-50 ईवी ही बिके थे, जबकि इस साल यह संख्या कई गुना बढ़ गई है। इस साल रजिस्ट्रेशन फीस पर 50त्न की छूट मिलने से कारों की बिक्री में और भी इज़ाफ़ा होने की उम्मीद है। पिछले साल विक्रमोत्सव मेले में लगभग 23,000 गाड़ियां बिकी थीं, जिनमें से 17,000 कारें थीं। इस बार एसयूवी कारों की मांग सबसे ज़्यादा है ।मेले में मिल रही रोड टैक्स छूट ग्राहकों के लिए एक बड़ा आकर्षण है। अगर आप मेले में 1 करोड़ रुपये की कार खरीदते हैं, तो उस पर आम तौर पर 16 लाख रुपये का टैक्स लगता है। लेकिन, वाहन मेले में आपको सिर्फ 8 लाख रुपये का टैक्स देना होगा। इससे ग्राहकों को सीधा फायदा होगा और उन्हें आधी कीमत में टैक्स का भुगतान करना पड़ेगा ।पहले वाहन मेला सिर्फ ग्वालियर में ही लगता था। लेकिन, 2024 में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसे उज्जैन में भी शुरू करवाया। इससे उज्जैन और आसपास के इलाकों के लोगों को भी वाहन मेले का लाभ मिल रहा है। उज्जैन में वाहन मेला लगने से लोगों में काफी उत्साह है।

भारत रत्न नानाजी देशमुख राष्ट्रसेवी थे, प्रधानमंत्री ने उन्हें भारत रत्न देकर किया सच्चा सम्मान: अमित शाह

प्रेरणा पुंज थे नानाजी देशमुख, ग्रामों के स्वावलंबन की उन्होंने की कल्पना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रखर राष्ट्रवादी विचारक भारत रत्न नानाजी देशमुख अजातशत्रु थे। उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए आपातकाल की अवधि में कई कष्ट सहे और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए तत्कालीन परिस्थितियों में राष्ट्रहित में जो कार्य किया उस वजह से उन्हें राष्ट्र ऋषि की उपाधि दी गई। वे वास्तविक अर्थों में राष्ट्रसेवी थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नानाजी देशमुख को भारत रत्न देकर उनके जीवन और कार्यों का सच्चा सम्मान किया।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह गुरूवार को सतना जिले के चित्रकूट में भारत रत्न नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह समारोह नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवीनीकृत राम दर्शन और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का रिमोट का बटन दबाकर लोकार्पण किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने मूर्तिकारों का सम्मान भी किया। नानाजी के श्रद्धांजलि समारोह के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। नानाजी की 15वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी कर्मस्थली रही चित्रकूट में तीन विशेष कार्यक्रम एक साथ आयोजित किए गए। इनमें नानाजी का श्रद्धांजलि समारोह, पंडित दीनदयाल जी की प्रतिमा और राम दर्शन का लोकार्पण शामिल है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने भगवान कामता नाथ को प्रणाम कर नानाजी के महान व्यक्तित्व को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि नानाजी का जन्म महाराष्ट्र में हुआ, वे संघ से जुड़े और उत्तर प्रदेश को अपना कार्यक्षेत्र बनाया। नानाजी ने जनसंघ को खंड-प्रखंड स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। गृह मंत्री शाह ने कहा कि राजनीति में रहते हुए भी नानाजी अजातशत्रु थे।

नानाजी ने ग्राम स्वावलंबन की कल्पना की, वे प्रेरणा पुंज थे: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान में केंद्रीय गृहमंत्री शाह समेत यहां उपस्थित सभी अतिथियों का आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह सुखद संयोग रहा है कि उनकी नानाजी से भेंट हुई थी। नानाजी का होना हम सबके लिए एक प्रेरणा पुंज के समान था। जब पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी भाई देसाई ने उन्हें अपने मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया तो नानाजी ने बड़ी विनम्रता से मना कर दिया था। नानाजी ने गांवों में स्वावलंबन की कल्पना की थी। उन्होंने कहा कि नानाजी ने कलाकारों को जोड़कर तीर्थ धाम को जीवंत करने का कार्य किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नानाजी देशमुख जैसे महामानव को प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने भारत रत्न देकर उनका सच्चे अर्थों में सम्मान किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने नहीं लगाई जहरीले कचरे को जलाने पर रोक

इंदौर। पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड यानी यूका के जहरीले कचरे का ट्रायल रन शुरू हो जाएगा । सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है और याचिकाकर्ताओं से कहा है कि वे अपनी शिकायतों को हाईकोर्ट में रखें।

चूंकि सुप्रीम कोर्ट से कोई रोक नहीं लगी है, इसलिए प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेशानुसार 10 मीट्रिक टन कचरे के ट्रायल रन की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली है। संभागायुक्त दीपक सिंह ने बताया कि कलेक्टर और एसपी धार मौके पर मौजूद रहेंगे और यह ट्रायल रन हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुसार किया जाएगा ।सुप्रीम कोर्ट में

याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता देवदत्त कामथ और रितम खरे ने दलील दी कि अब तक इस बात का पूरा अध्ययन नहीं किया गया है कि इस कचरे को जलाने से कितना प्रदूषण होगा। वहीं, इंटरविनर की अधिवक्ता जयश्री नरसिम्हन ने कहा कि हाईकोर्ट में गलत पत्र देकर सरकार ने ट्रायल रन की सहमति हासिल की है।

उन्होंने यह भी बताया कि लोकल बॉडी से भी कोई मंजूरी नहीं ली गई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी शिकायतें हाईकोर्ट में रखें, क्योंकि हाईकोर्ट ही इस मामले की निगरानी कर रहा है। शासन के अधिवक्ता नचिकेत जोशी ने दलील दी कि जून 2023 में केंद्र और राज्य की हाईपावर कमेटी ने इस कचरे को पीथमपुर में जलाने को उपयुक्त माना था और इसी के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले हुए ट्रायल रन की रिपोर्ट में भी कोई समस्या नहीं पाई गई थी।

भाजपा फर्जी वोटरों की मदद से दिल्ली जीती :ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में कहा कि भाजपा ने दिल्ली और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव फर्जी वोटों के जरिए जीता। इसमें चुनाव आयोग ने मदद की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से फर्जी वोटरों को वोटर लिस्ट में शामिल किया। ममता ने कहा कि भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग के ऑफिस में बैठकर ऑनलाइन फर्जी मतदाता सूची बनाई है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के हर जिले में फर्जी मतदाताओं को जोड़ा है। ज्यादातर वोटर गुजरात और हरियाणा से हैं। महाराष्ट्र और दिल्ली में विपक्ष इन तथ्यों का पता नहीं लगा पाया।

उन्होंने कहा कि मैं बंगाल के लोगों से अपील करती हूं कि वे वोटर लिस्ट की जांच करें। किसी भी दिन एनआरसी और सीएए के नाम पर सही वोटर्स के नाम हटाए जा सकते हैं। भाजपा के लोग ऐसा करके किसी तरह टीएमसी को हराना चाहते हैं। ममता ने कहा कि वोटर लिस्ट की जांच के लिए उन्होंने पार्टी स्तर पर एक कमेटी बनाई है।

गंदगी से भड़के सांसद ने की सफाई

सीहोर। भोपाल लोकसभा क्षेत्र के सांसद आलोक शर्मा अचानक सीहोर रेलवे स्टेशन पहुंचे। शर्मा ने स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशन पर जगह-जगह को पान और गुटखा के थूक के निशान दिखाई दिए। चारों तरफ गंदगी फैली हुई थी। जिस पर सांसद आलोक शर्मा ने स्टेशन मास्टर को जमकर फटकार लगाई। सांसद आलोक शर्मा गंदगी देखकर इस कदर नाराज थे कि वे खुद ही सफाई करने लगे। सांसद शर्मा बाल्टी लेकर स्टेशन पर बने ब्रिज पर लगे लोहे की बाउंड्री को साफ करने लगे। वे पोछा लेकर साफ सफाई करते नजर आए। गुटखा की पीक को कपड़े से रगड़ कर साफ कर दिया। शर्मा ने स्टेशन पर झाड़ू भी लगाया। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि स्टेशन पर जो भी रेलवे अधिकारी लापरवाही करेगा उसको सस्पेंड कराया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सीहोर में जो ट्रेन नहीं रुक रही है, उनको भी रोकने का प्रयास किया जाएगा।

TRENDING है... बुरा न मानों

छापे से क्यों बढ़ गई धड़कन

एक पुरानी कहावत है चोर की दाढ़ी में तिनका....प्रदेश के एक माननीय इन दिनों इसी कहावत के इर्द गिर्द घूम रही है। जरा सी आहट होती है तो दिल सोचता है कहीं ये वो तो नहीं की कल्पना में माननीय को नींद नहीं आ रही है। आज दिल्ली एनसीआर में दो बड़े बिल्डर पर पड़े,इनमे से एक बिल्डर का फ्लैट का पूरा हिस्सा माननीय के छर्रे कटोरियों ने भी खरीदा है,अब माननीय का उसमे कितना हिस्सा है ये तो अय्यार को नहीं पता लेकिन ये छापा भूत जैसे पीछे लग गया है। जब से खबर मिली है तब से बेसुध हो रहे हैं। प्रदेश की एजेंसी तो मैनेज हो जाती है। बहार वालों का क्या करेंगे ? बिल्डर नामी गिरामी हैं लिहाजा ब्यौरा आने में भी देर लगेगी,लेकिन तब तक उन धड़कनों का क्या जो वंदे भारत से भी तेज चल रही। वैसे सुना है इन दिनों आका भी नाराज चल रहे हैं।

● अय्यार

उपलब्धि — ग्लोबल इन्वेस्टर समिट प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों को निवेशकों ने सराहा

नवकरणीय ऊर्जा में सबसे ज्यादा मिला निवेश प्रस्ताव

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 5,21,279 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर रही है, जिससे 1,46,592 नौकरियाँ सृजित होंगी। जीआईएस-भोपाल में नवकरणीय ऊर्जा सेक्टर में अवाडा एनर्जी, एमकेसी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, एक्सिस एनर्जी वेंचर, एनएसएल रिन्यूएबल पॉवर प्राइवेट लिमिटेड, टोरेंट पॉवर और जिंदल इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों ने निवेश प्रस्ताव दिए हैं। इस निवेश से राज्य में अक्षय ऊर्जा उत्पादन को गति मिलेगी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

INVEST MADHYA PRADESH
— INFINITE POSSIBILITIES —

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश में वर्ष 2070 तक कार्बन फुट-प्रिंट को शून्य तक लाने और समाप्त होते जीवाश्म ईंधन के विकल्प तलाशने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट (अक्षय) नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में पिछले 12 वर्षों में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 14 प्रतिशत अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिससे अब कुल ऊर्जा उत्पादन में सहभागिता 30 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

जीआईएस-भोपाल में मध्यप्रदेश की टेक्नोलॉजी एग्नोस्टिक रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी के कारण नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भारी निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जीआईएस-भोपाल के उद्घाटन अवसर पर कहा कि विगत दशक में भारत के ऊर्जा क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति हुई है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में 70 बिलियन डॉलर (5 ट्रिलियन रुपये से अधिक) का निवेश किया गया, जिससे स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 10 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए।

मध्यप्रदेश:ऊर्जा सरप्लस राज्य

राज्य अपनी भौगोलिक स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के कारण देश के अग्रणी ऊर्जा सरप्लस राज्यों में से एक है। राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्म निर्भरता को प्राथमिकता देते हुए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है ।मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने टेक्नोलॉजी एग्नोस्टिक रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी लागू की है। इस नीति में सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निवेशकों को अनुकूल और लचीले अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में नया आयाम जुड़ रहा है ।पर्यावरण संरक्षण और नवकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, सांची को राज्य का पहला सौर शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह 'नेट ज़ीरो कार्बन' सिद्धांत पर आधारित होगा, जिसमें जितनी ऊर्जा का उपभोग होगा, उतनी ही हरित ऊर्जा का उत्पादन भी किया जाएगा।

भोपाल के बाद इंदौर बीआरटीएस भी होगा जमीदोज

300 करोड़ रुपए से बना था असफलता को मुंह चिढ़ाता प्रोजेक्ट

इंदौर। भोपाल के बाद अब इंदौर से भी बीआरटीएस कॉरिडोर हटेगी। एमपी हाईकोर्ट ने यह आदेश दिया है। साथ ही सरकार ने पहले ही यह फैसला ले लिया था कि भोपाल के बाद इंदौर से भी इसे हटाया जाएगा। हाईकोर्ट के फैसले के बाद इंदौर में तुरंत यह कार्रवाई शुरू हो जाएगी। हाईकोर्ट की डबल बेंच के समक्ष एक्सपर्ट कमेटी की तरफ से बताया गया कि इंदौर में बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर कॉरिडोर के कारण यातायात पर दबाव बढ़ गया है। साथ ही लोगों को परेशानी होती है। चीफ जस्टिस की युगलपीठ ने सुनवाई के बाद इंदौर में बीआरटीएस कॉरिडोर को समाप्त करने के आदेश जारी किए हैं। बीआरटीएस प्रोजेक्ट को चुनौती देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता किशोर कोडवानी ने हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में दो याचिकाएं दायर की गयी थी। इंदौर खंडपीठ ने साल 2013 में बीआरटीएस कॉरिडोर की उपयोगिता की जांच करने सीनियर एडवोकेट पीके सक्सेना की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय एक्सपर्ट कमेटी गठित की थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि बीआरटीएस लेन में किसी अन्य वाहन को यातायात की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए ।इंदौर हाईकोर्ट ने सितंबर 2024 में नयी कमेटी का गठन करते हुए शहर में निरंजनपुर से राजीव गांधी प्रतिमा तक लगभग 11.8 किमी का बीआरटीएस प्रोजेक्ट वर्तमान परिस्थिति में व्यावहारिक है या नहीं इस संबंध में रिपोर्ट पेश निर्देश जारी किए थे।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

रजक समाज मंदिर कार्यक्रम में शामिल हुए पदाधिकार

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। जिला पांढुर्णा में रजक समाज के सन्त शिरोमणि गाडगे महाराज का मन्दिर निर्माण कर बाबा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस कार्यक्रम में परासिया से रजक समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। रजक समाज के जिला अध्यक्ष बसन्त मालवी अतिथि के रूप में पहुचे।

शिव मंदिर में किया राम सत्ता

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। नगर के वार्ड क्रमांक 15 के शिव मंदिर में राम सत्ता किया गया। ख्रात्रि में भजन कीर्तन किया गया। पूजा अर्चना हवन आरती के बाद विशाल भण्डारा हुआ ।

तीन दिवसीय भोजपुर महोत्सव में मुंबई के ऋषभ रिखीराम शर्मा के भक्ति गीतों पर झूमे श्रोता

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। मध्यप्रदेश शासनए संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रतिवर्षानुसार भोजपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध शिव मंदिर प्रांगण में महादेव भोजपुर महोत्सव 26 से 28 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है। समारोह के पहले दिन प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा तथा सांची विधायक विधायक प्रभुराम चौधरी द्वारा महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पूर्व केबिनेट मंत्री रामपाल सिंहए कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा, स्थानीय जनप्रतिनिध, राकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रोतागण भी उपस्थित रहे। महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि भोजपुर का मंदिर महाभारत कालीन हैए इस मंदिर की प्रसिद्धी पुरे विश्व में है। आज मध्य प्रदेश ऐसा राज्य है जहां अपनी लोक संस्कृति को पुरे देश में सबसे अधिक बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। सरकार धार्मिक स्थलो पर विविध कार्यक्रम करा कर संस्कृति को बढ़ावा दे रही है। इस अवसर पर सुरेंद्र पटवा ने कहा कि आज भोजपुर में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये। वहीं श्री चौधरी ने कहा कि श्री सुंदरलाल पटवा जी ने इस महोत्सव को शुरू किया थाए आज हजारों लोग इस महोत्सव का आनंद लेने आते हैं।

अवकाश दिवसों में भी खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक मप्र भोपाल के आदेशानुसार जनसामान्य के अचल सम्पत्ति से संबंधित दस्तावेजों के पंजीयन की सुविधा की दृष्टि से मार्च माह में होली के अवकाश दिनांक 14 मार्च 2025 को छोड़कर शेष समस्त सार्वजनिक अवकाश दिवसों (शनिवार व रविवार सहित) जिले के समस्त उप पंजीयक एवं जिला पंजीयक कार्यालय, पंजीयन कार्य हेतु खुले रहेंगे।

जिला स्तरीय पीसीपीएनडीटी/एमटीपी कार्यसमिति की बैठक आज

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। जिला स्तरीय पीसीपीएनडीटी/एमटीपी कार्य समिति की बैठक 28 फरवरी 2025 को दोपहर 12 बजे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में आयोजित की गई है।

शा पॉलीटेक्निक में महिला उद्यमिता पर व्याख्यान का हुआ आयोजन

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। प्राचार्य डॉ एसपी कोरी ने अवगत कराया कि शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय,में हुनर इनिषियेटिव' के अंतर्गत महिला उद्यमिता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था में 'हुनर इनिषियेटिव' की नोडल अधिकारी डॉ दीपा इन्द्रवाल द्वारा महिला उद्यमिता संबंधी शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में संस्था के सभी षिक्षकगण एवं छात्राऐं सम्मिलित हुए।

जनपद पंचायत परासिया में मनरेगा का ये कैसा सोशल आडिट

बिना तकनीकि जानकारी के होता है आडिट, दबाव बनाने का बन गया माध्यम

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

जनपद पंचायत परासिया में मनरेगा के कार्यो का सोशल आडिट सवालों के घेरे में है। बिना तकनीकि जानकारी के आडिटर मनरेगा के कार्यों में खामियां गिना रहे है। खास बात यह है कि कौन आडिट कर रहा है। किस आधार पर और किस उद्देश्य से आडिट किया जा रहा है। किस चीज का कैसा आडिट कर रहे है यह कुछ भी स्पष्ट नहीं है। सोशल आडिट पंचायतों को ब्लैकमेल कर माल कमाने का माध्यम बन गया है।

आडिट यदि कार्यों के सही गलत और नियम विरुद्ध होने को लेकर किया गया तो फिर कई पंचायतों में बिना कार्रवाई के सालो से मौजूद रहने वाली समस्याओं का हल क्यों नहीं हुआ। गौरतलब है कि पंचायतों के सोशल आडिट के लिए सोशल आडिटर की नियुक्ति की गई है। मनरेगा में जो भी काम साल भर होते हैं उनका आडिट करना इनकी जिम्मेदारी है। इसके लिए पंचायतों के मेट और जीआरएस की एक टीम बना दी जाती है। एक साल में एक पंचायत का छह दिनों का आडिट होता है। इन छह दिनों में मस्टर देखने, सामग्री निरीक्षण, फील्ड इंस्पेक्शन आदि के काम करने होते है। इसके साथ ही एक दिन ग्राम सभा लेकर इस बात की जांच की जाती है कि कितने मजदूर लिखे है। जिनके नाम लिखे है वे फर्जी तो हनीं है। कितना काम किए है। लेबर की जगह मशीन से काम तो नहीं किया गया है। हाजरी फर्जी तो नहीं है। इन सब बातों की जांच इस आडिट में होती है।

सोशल आडिटर के बीसी की नहीं है अधिकारिक भूमि

सोशल आडिटर की भूमिका को लेकर अधिकारिक वैधता को लेकर लगातार सवाल खडे होते है। इनके कहीं पंचायतों में हस्ताक्षर नहीं होते। जनपद पंचायत परासिया की पंचायतों में होने वाले सोशल आडिट को लेकर लगातार सवाल उठते रहे है। आडिट के दौरान पंचायत में चुपचाप जाना ऐसे आडिट की वैधता पर संदेह उत्पन्न करता है। कई पंचायतों के सरपंच सचिव जनपद पंचायत में कई बार मौखिक रूप से इसकी शिकायत कर चुके है।

दबाव बनाने का माध्यम है सोशल आडिट

पंचायतों का सोशल आडिट सिर्फ पंचायतों पर दबाव बनाने का माध्यम रह गया है। जिन पंचायतों में सैटिंग नहीं होती उनकी खबरें लीक की जाती है। फिर दबाव बनाकर मोटी कमाई करने की प्रक्रिया होती है। पंचायतों के मामलों की निष्पक्ष जांच की जाए तो ऐसे कई मामले सामने आएंगे जिनमें परासिया जनपद पंचायत के मनरेगा के सोशल आडिट की सच्चाई सामने आ जाएगी। बिना डाक्युमेंट और बिना वैरिफिकेशन के किसी काम पर अंगुली उठाने वाले आडिट और आडिटर की पूरी जांच कर सच सामने आना चाहिए।

न समय पर आना न समय पर जाना

सोशल आडिटर को परासिया में कचरा दिया गया है। जनपद पंचयत परासिया में इनके आने और जाने का कोई समय निर्धारित नहीं है। लोग इन्हें तलाशते रह जाते है। सोशल आडिट की सच्चाई की जांच की मांग की गई है।

अधिकारियों से चर्चा करेंगे-जनपद उपाध्यक्ष

जनपद पंचायत उपाध्यक्ष जमील खान ने कहा कि अधिकारियों से इस संबंध में चर्चा करेंगे। अधिकारियों से चर्चा कर नियम विरुद्ध कोई कार्रवाई होने पर कार्रवाई कि लिए बात रखेंगे।

सातवे दिन नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों की हडताल खत्म

कर्मचारियों को दिया वेतन, पीएफ की राशि को भी जमा करेंगे

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

नगर पालिका परासिया के सफाई कर्मचारियों की हडताल सातवे दिन खत्म हो गई। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय, सीएमओ साक्षी वाजपेयी, सभापति आशीष जायसवाल, पवन सूर्यवंशी ने पंडाल में जाकर चर्चा की। सहमति बनने पर गुरुवार को तीन बजे कर्मचारियों ने हडताल समाप्त होने की घोषणा कर दी।

21 फरवरी से कर्मचारी चौदह सूत्रीय मांग पत्र को लेकर हडताल पर थे। सात दिनों से चल रही हडताल के कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष सभापतियों पार्षदों ने खुद ही झाडू थामकर नगर में सडकों पर सफाई की थी। आज सौहाद्रपूर्ण माहौल में कर्मचारियों से चर्चा हुई। कर्मचारियों का वेतन खाते में डाला गया। अन्य मांगों पर समय सीमा में पूरा करने की सहमति बनी।

कर्मचारी संघ के नेता रामपाल पथरेला ने कहा कि मांग पत्र पर समय सीमा में पूरा करने पर सहमति बनी है। वेतन दिया जा रहा है। इसके कारण हडताल आज समाप्त कर दी गई है।

नगर पालिका परासिया के अध्यक्ष विनोद मालवीय ने कहा कि कर्मचारियों को तत्काल वेतन दिया जा रहा है। वहीं पीएफ के भुगतान के लिए नगर पालिका की संचित निधि से राशि जमा करने का प्रस्ताव पीआईसी की बैठक में लिया गया है। कर्मचारियों का वेतन कभी रोका नहीं जाता। चुंगि मिलने में विलंब होने से वेतन समय पर नहीं हो पाता। इसे नियमित करने का प्रयास किया जा रहा है।

हिंदू उत्सव समिति, हिंदू संगठनों के तत्वाधान में धूमधाम से निकली शिव बारात

देवरी(मध्य स्वर्णिम)। नगर में शिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हिंदू उत्सव समिति एवं अन्य हिंदू संगठन देवरी के तत्वाधान में भव्य शिव बारात का भव्य आयोजन किया। जो कि बड़े धूमधाम से श्री राम जानकी मंदिर से शुरू होकर नगर के बस स्टैंड,बजरिया चौक,बाखर चौक सहित प्रमुख मार्गो से निकाली गई। शिव बारात का नगर में जगह-जगह स्वागत किया गया। बारात का समापन राम जानकी मंदिर पर किया गया। शिव बारात की समापन पर हिंदू सब समिति के अध्यक्ष निलेश हडा ने सभी पदाधिकारी नगर के धर्म प्रेमी बंधुओ का शिव बारात में सम्मिलित होने समय देने पर आभार व्यक्त किया कहा कि सनातन धर्म के सभी त्योहारों को आगामी दिनों में बढ़ चढ़कर मनाया जाएगा। किसी प्रकार की कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

सांवरी के टेकडी शिव मंदिर में लगा शिवरात्रि का मेला

ग्रामीणों की उमडी भीड, सत्ता, भंडारा किया

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

मोरडोंगरी के समीप सांवरी में टेकडी पर बने शिव मंदिर में शिवरात्रि का मेला लगा। दो दिनों के मेले का समापन गुरुवार को किया गया। गुरुवार को रात आठ बजे तक बडी संख्या में भक्त मेले में मौजूद रहे। आसपास के ग्रामों से बडी संख्या में ग्रामीण मेले में पहुंचे।

मंदिर में कथा का समापन आज किया गया। इसके साथ ही राम सत्ता का समापन भी हुआ। इस अवसर पर भंडारा किया गया। दिन भर भंडारा चलता रहा। सांवरी मंदिर में आसपास का सबसे बडा मेला शिवरात्रि पर लगता है। इस मेले में दूर दूर से लोग आते है। ग्रामीण बडी संख्या में मेले में पहुंचे। तिघरा निवासी नवीन साहू ने बताया कि मेले में लोगों ने आनंद उठाया। तरह तरह की दुकाने मेले में लगी। मेले में प्रवचन के दौरान प्रवचन कर्ता ने नागरिकों से अपने जन्मदिन वर्षगांठ आदि पर एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया।

मोरडोंगरी में दो बाइक की भिड़ंत, दो गंभीर घायल, 108 एंबुलेंस से लाए अस्पताल

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

उमरेठ थाना क्षेत्र के मोडोंगरी में शराब दुकान के समीप दो बाइक की भिड़ंत हो गई । गुरुवार को दोपहर 2रू30 बजे हुई इस दुर्घटना में दोनों बाइक सवार को गंभीर चोटे आई। इन्हें 108 एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया। यहां से इन्हें उपचार के लिए छिंदवाड़ा रेफर कर दिया गया।

उमरेठ के खुकरिया माल निवासी बिस्तू उईकेअपनी बहन को लेने गाजनडोह आया था ।मोरडोगरी क्षेत्र में आज शिवरात्रि का मेला लगता है।शिवरात्रि का मेला दिखाने बहन को लेने वह आया था। बहन ने मेले में जाने से इनकार कर दी जिससे वह अकेले ही वापस अपने गांव खुकरिया माल जा रहा था ।मोर्डोंगरी में सामने से आ रहे

बाइक सवार बुधराम मरकाम से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। बुधराम खुकरिया रैयत का निवासी है। इस दुर्घटना में दोनों को गंभीर चोटे आई है।बिस्तु उईके को सिर में चोट आई। बुधराम के सिर में चोट आई। उसके पैर में भी फ्रेक्चर हुआ। डॉ सुनील नागवंशी ने घायलों का उपचार किया। बिस्तु को प्राईवेट एम्बुलेंस से रिफर किया गया।

हाथ में कटोरा लेकर भीख मांगने निकले कांग्रेस के पार्षद

नगर पालिका की खस्ताहाल आर्थिक स्थिति पर किया आंदोलन

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

नगर पालिका परासिया के कांग्रेस के पार्षदों ने गुरुवार को तीन बजे सडकों पर निकलकर दुकान दुकान जाकर कटोरा फैलाकर भीख मांगी। कांग्रेस ने अपने इस आंदोलन को नगर पालिका की खस्ताहाल आर्थिक स्थिति को लेकर किया गया आंदोलन बताया। साढे चार बजे तक कांग्रेस के पार्षदों और नेताओं ने दुकान दुकान जाकर भीख मांगी।

कांग्रेस ने कहा कि सफाई कर्मचारियों के वेतन के लिए राशि नहीं होने के चलते राशि जुटाने वे भीख मांगने निकले है। वेतन के लिए सफाई कर्मचारी सात दिनों से हडताल पर है। पार्षदां ने भ्रष्टाचार बंद करों के नारे भी लगाए। नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह सहित कांग्रेसी पार्षदों ने शहर में धूम कर व्यापारियों से और आमजनों से भीख मांगी और झाड़ू लगाई । कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नगर पालिका के पास करोडों के भुगतान के लिए राशि है लेकिन कर्मचारियों को वेतन भुगतान के लिए राशि नहीं है। कांग्रेस के पार्षद कार्यकर्ता बस स्टैंड होते हुए नगरपालिका पहुंचे।

सफाई कमचारियों को भीख मांगकर इकट्ठा किए 46 सौ रुपयों को सौंपा गया। इस अवसर पर नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह पार्षद पुनम कैथवास ,प्रतिभा सोनी , रुक्मा बसोड , प्रतिमा बैस , पूजा मरकाम शहर समन्यवक यमुना दुबे, कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद सकील महेश झरबड़े मोटी खान अशोक शर्मा मोहम्मद इब्राहिम कुरेशी पूनाराम डेहरिया मनीष बैन बब्लू टेलर सफीक सिद्दकी पप्पू मरकाम इंदू खान विनोद यादव आदि उपस्थित थे।

5 मिनट देरी से पहुंची छात्राओं को नही मिला प्रवेश, विद्यार्थी परिषद ने दिया ज्ञापन

जिले के 83 केंद्रों पर 18,215 छात्र-छात्राओं ने दिया हिंदी का पेपर

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

गुरूवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं हिंदी के पहले पेपर में जिले में बनाए गए 83 केंद्रों पर 18,215 परीक्षार्थी शामिल हुए। वहीं, 388 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस दौरान सिलवानी तहसील के पुष्प विद्यालय परीक्षा केंद्र पर परीक्षा में दो छात्रों को देर से पहुंचने के कारण परीक्षा देने से रोक दिया गया। दोनों छात्र चंचल यादव और अरुण आदिवासी गोरझमार गांव के रहने वाले हैंए जो परीक्षा केंद्र से लगभग 20 किलोमीटर दूर है।

जानकारी के अनुसार दोनों सुबह अपनी मोटरसाइकिल से परीक्षा देने के लिए निकले थे। हालांकिए रास्ते में उनकी मोटरसाइकिल का टायर पंचर हो गया,जिसके कारण उन्हें परीक्षा केंद्र पर पहुंचने में देरी हो गई। नियमों के अनुसार छात्रों को परीक्षा केंद्र पर सुबह 8:45 बजे तक पहुंचना था लेकिन चंचल और अरुण 8:50 बजे पहुंचे। परीक्षा केंद्र के अध्यक्ष राजेश कुमार खरे ने उन्हें देरी से आने के कारण परीक्षा में प्रवेश देने से इनकार कर दिया।

विद्यार्थी परिषद ने एसडीएमको दिया ज्ञापन

छात्रों ने केंद्र अध्यक्ष से अनुरोध किया कि उन्हें परीक्षा देने की अनुमति दी जाए, लेकिन उन्होंने मंडल के नियमों का हवाला देते हुए उनकी बात नहीं मानी। इस घटना की जानकारी मिलने पर विद्यार्थी परिषद के भाग संयोजक जय यादव ने तुरंत एसडीएम पीसी शाक्य से संपर्क कर ज्ञापन देकर उन्हें इस मामले से अवगत कराया। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि मंडल के नियम सख्त हैं और देरी से आने वाले छात्रों को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में कुछ नहीं किया जा सकता है।

जिले में 83 परीक्षा केंद्र बनाए

जिले में आज 83 परीक्षा केंद्रों पर 10वीं कक्षा की परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिसमें 17,000 नियमित और 1,700 निजी छात्र शामिल हो रहे हैं। परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चली।

62 लाख की चोरी का पुलिस ने किया पर्दाफाश, जेसीबी सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

एसपी पंकज कुमार पांडे के निदेश पर पुलिस ने 7 घण्टों में चोरो को किया गिरफ्तार

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)।

जिले के बेगमगंज सुबह चोरी हुई जेसीबी मशीन को पुलिस ने 7 घण्टों में जेसीबी सहित तीन आरोपी गिरफ्तार किया गिरफ्तार। गुरुवार को वाहन चोरी के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 62 लाख रुपए की चोरी माल सहित चोरी वाहन बरामद किए। बेगमगंज एसडीओपी आलोक श्रीवास्तव ने खुलासा करते हुए बताया 27 फरवरी 2025 को सुबह 4 बजे दशहरा मैदान बेगमगंज से सौरभ साहू की जेसीबी मशीन चोरी हो गई थी।

एसपी पंकज कुमार पांडे के निर्देशन में टीम का गठन कर पुलिस ने जीपीएस से तलाश शुरू करते हुए तीन आरोपियों राहतगढ़ से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में भोपाल के अशोका गार्डन निवासी हबीब खान,जहांगीराबाद

भोपाल के साजिद और बेगमगंज के नीलेश उर्फ हर्ष शामिल हैं।

हत्या के प्रयास सहित लगभग 30 मामले दर्ज

आरोपियों से एक जेसीबी मशीन,एक बोलेरो,एक मोटरसाइकिल,तीन मोबाइल फोन, टूटा हुआ जीपीएस और चार फर्जी नंबर प्लेट बरामद किए गए। मुख्य आरोपी हबीब खान के खिलाफ चोरी, नकबजनी और हत्या के प्रयास सहित लगभग 30 मामले दर्ज हैं। साजिद के खिलाफ भी हत्या के प्रयास समेत कई मामले दर्ज हैं। वही एसपी पंकज कुमार पाण्डेय ने इस मामले में कुछ घंटे में ही सफलता हासिल करने वाली टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है। मामले की जांच में निरीक्षक राजीव उईके,वीरेंद्र विश्वकर्मा,हरिओम चौबे और सुरेंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विधायक डॉ चौधरी ने पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रायसेन में प्लेसमेंट ड्राईव का किया शुभारंभ

प्लेसमेंट ड्राईव में 50 युवाओं का प्राथमिक स्तर पर हुआ चयन

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। सागर रोड़ पर स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राईव ;रोजगार मेला विशेष भर्ती अभियान का सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष मनोज कुशवाह द्वारा शुभारंभ किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राईव में विभिन्न कम्पनियों और औद्योगिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनके द्वारा विभिन्न पदों पर 50 युवाओं का प्राथमिक स्तर पर चयन किया गया। सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि आज यहां आयोजित रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार प्राप्त करने का अच्छा अवसर है। इस रोजगार मेले में मेगनम, राजरूप मोटर जंक्शन ;मारूति सुजूकी, जस्ट डॉयल, जेके बॉयो एग्रीटेक, आईपीएस ग्रुप सहित अन्य कम्पनियों के प्रतिनिधि आए हैं, जिनके द्वारा

विभिन्न पदों पर युवाओं का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में व्यवसायिक शिक्षा पर भी जोर दिया जा रहा है। युवाओं के पास अब अपना कैरियर बनाने के लिए पहले से ज्यादा विकल्प उपलब्ध हैं। जिस क्षेत्र में बच्चों कीए युवाओं की रूचि होती है उस क्षेत्र में आगे बढने के लिए मदद की जा रही है। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि युवा आत्मनिर्भर बनें और देश.प्रदेश के विकास में सहभागी बनें इसके लिए सरकार द्वारा अनेक कौशल उन्नयन कार्यक्रम और स्वरोजगार योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

अंडरग्राउंड केबिल बिछाने में खोदी गई सड़कों की तुरंत मरम्मत करें: कृष्णा गौर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने एमपीईबी के अधिकारियों से कहा कि बिजली की अंडरग्राउंड केबिल बिछाने में खोदी गई सड़कों की तुरंत मरम्मत करें। श्रीमती गौर ने कल्पना नगर, शिव नगर फेस-1 और फेस-2 वार्ड 73 के पार्षद राजू राठौर की शिकायत पर निर्देश दिये। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि खोदी गई सड़कों की मरम्मत को एक सप्ताह में करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वह स्वयं क्षेत्र में भ्रमण कर दिये गये निर्देशों के अनुक्रम में की गई कार्यवाही का जायजा लेगी। श्रीमती गौर ने कहा कि भविष्य में सड़क निर्माण ऐजेंसी, नगर निगम और एमपीईबी के अधिकारी समन्वय बनाकर रखें जिससे ऐसी स्थिति नहीं बने। सड़क बनने के पहले केबिल बिछाने का कार्य किया जाये।

डॉगी को घुमाने गये एमपीपीसीबी के कर्मचारी से मारपीट

भोपाल। रातीबड़ थाना इलाके में स्थित स्टैट डेयरी के पास अपने पालतू डॉगी को घुमाने लेकर गए मध्य प्रदेश प्रदुषण नियत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) के कर्मचारी के साथ पुश प्रेमी द्वारा मारपीट किये जाने का मामला सामने आया है। पालतू कुत्ते को घुमाते समय अन्य स्ट्रीट डॉग ने उनके कुत्ते को घेर लिया और काटने का प्रयास करने लगे। इस पर उन्होंने पत्थर मारकर कुत्तों का भगाया। इस बात पर पशु प्रेमी ने उनके साथ मारपीट कर दी। जानकारी के मुताबिक शासकीय स्कूल के पास बरखेड़ी खुर्द रातीबड़ में रहने वाले रोहित सिंह पिता ब्रजकिशोर सिंह (26) ने अपनी शिकायत में बताया कि वे मध्य प्रदेश प्रदुषण नियत्रण बोर्ड शाहपुरा में नौकरी करते हैं। सुबह के समय वह अपने कुत्ते को घुमाने के लिए घर से केरवा डैम की और जा रहे थे। स्टेट डेयरी केरवा रोड पर पहुंचते ही सड़क पर मौजूद स्ट्रीट डॉग ने उनके कुत्ते को देखकर घेर लिया और काटने का प्रयास करने लगे। उसे बचाने के लिये रोहित ने पास पड़े पत्थर फैंककर उन्हें भगा दिया और आगे चले गये। वापस लौटते समय उसी स्थान पर पहुचंने पर मिली एक महिला ने उनसे दुर्व्यवहार करते हुए कहा कि यहॉ के कुत्तों को तूने पत्थर क्यों मारे। रोहित ने उन्हें सारी बात बताते हुए अपने बचाव के लिये उन्हें भगाने की बात कही। उनकी बातचीत के बीच ही महिला का बेटा सन्नी पवार आया और अपनी मॉ से बहस करने की बात कहते हुए उन्हें गालियां देने लगा। कहने लगा।

55 साल के अधेड़ ने 6 साल की मासूम बच्ची से की अशलील हरकत

भोपाल। गांधी नगर थाना इलाके में 55 साल के अधेड़ व्यक्ति द्वारा पड़ोस में रहने वाली 6 साल की मासूम के साथ अशलील हरकत किये जाने की घटना सामने आई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मासूम बच्ची के मां-पिता मेहनत-मजदूरी का काम करते हैं, और इन दिनो काम के चलते दूसरे शहर गये हुए हैं। वहीं बच्ची गांधी नगर में अपने नाना-नानी के पास रहती है। उसके पड़ोस में ही 56 साल का आरोपी रहता है। दो दिन पहले शाम के समय बच्ची घर में अकेली थी। तभी मौका पाकर आरोपी भीतर गया और मासूम को अपनी गोद में बैठाकर अशलील हरकते करनी शुरु कर दी। बाद में नाना-नानी के लौटने पर बच्ची ने रो-रोकर सारी बात उन्हें बताई। जानकारी लगने पर परिवार वालो ने पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फौरन ही मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी अधेड़ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बच्ची के बयान दर्ज करते हुए आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

बाबा रामपाल की किताब बांटने वाले पर धार्मिक भावनाएं भड़काने का मामला दर्ज

भोपाल। पिपलानी पुलिस ने बाबा रामपाल की किताब बांट रहे एक व्यक्ति के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने का मामला कायम किया है। पुलिस के मुताबिक आनंद नगर चौकी के पास बाबा रामपाल के समर्थक सिद्धनाथ गुप्ता उनकी लिखी पुस्तकों का वितरण कर रहा था। फरियादी प्रकाश प्रजापति ने किताब मिलने पर जब उसे देखा तो उस किताब में गीता को गलत तरीके से दशार्या गया है, और हिंदू रीति रिवाजों के बारे में गलत तथ्य और आपत्ति जनक बातें लिखी हुई नजर आई। इसके बाद उन्होंने इस किताब के बांटने को लेकर विरोध किया। उनके विरोध करने पर फरियादी प्रकाश प्रजापति और किताब बांट रहे सिद्धनाथ गुप्ता के बीच में बहसबाजी शुरु हो गई। इसके बाद प्रकाश अन्य लोगों के साथ आनंद नगर चौकी पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। फरियादी का आरोप है, कि विवाद के दौरान सिद्धनाथ गुप्ता ने सनातन धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द भी कहें और किताब में भी सनातन धर्म का अपमान किया गया है।

प्रदेश में रात में पड़ रही ठंड

दिन में 35 डिग्री पहुंचा पारा, मार्च के पहले सप्ताह बारिश के आसार

भोपाल। मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां रात में अभी भी हल्की ठंड पड़ रही है, वहीं दिन का तापमान 35 डिग्री तक पहुंच गया है। रतलाम का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वही धार का 34.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। जबकि दूसरी तरफ रीवा का अधिकतम तापमान केवल 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वहीं राजधानी भोपाल में बुधवार को बदल भी छाए। मौसम विभाग के अनुसार मार्च के पहले सप्ताह में मध्यप्रदेश के पश्चिम-उत्तरी हिस्से में हल्की बारिश होने के आसार है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने से ऐसा हो सकता है। इससे पहले 3 दिन तक दिन-रात का पारा 2 से 3 डिग्री बढ़ा रहेगा।

पचमढ़ी का पर 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज

पिछले 5 दिन से प्रदेश में हल्की ठंड पड़ी। मंगलवार-बुधवार की रात की बात करें तो इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 6.8 डिग्री, शहडोल के कल्याणपुर में 8.7 डिग्री, शाजापुर के गिरवर में 9.6 डिग्री और मंडला में 10.2 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 12.6 डिग्री, इंदौर में 17.6 डिग्री, ग्वालियर में 15.5 डिग्री, उज्जैन में 13.8 डिग्री और जबलपुर में पारा 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर, बुधवार को भोपाल में सुबह से बादल छाए रहे। वहीं, रीवा, सतना, पन्ना और मैहर जिलों में भी मौसम बदला रहा। बाकी शहरों में आसमान साफ रहा। जिससे दिन के पारे में बढ़ोतरी देखने को मिली।

10वीं में 9.50 लाख विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

पेपर में पूछा राम के स्वभाव की दो विशेताएं बताइए

भोपाल। मध्यप्रदेश में एमपी बोर्ड की परीक्षाएं शुरु हो गई हैं। गुरुवार को 10वीं कक्षा के हिंदी विषय का पेपर था। इसमें करीब 9.50 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा का समय 9 बजे से निर्धारित था। परीक्षार्थियों को परीक्षा सेंटर पर एक घंटे पहले पहुंचने के निर्देश दिए गए थे। सेंटर पर 8.40 के बाद पहुंचने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा हाल में जाने की अनुमति नहीं दी गई। भोपाल के एक स्कूल में एग्जाम के दौरान ही व्यवस्थाएं गड़बड़ा गई।

जिससे करीब एक घंटे तक छात्र और अभिभावक परीक्षा केंद्र पर परेशान होते रहे। यहां तय समय से आधे घंटे देरी से परीक्षा शुरु हुई। हालांकि जिम्मेदारों का कहना था कि कोई परेशानी नहीं हुई। परीक्षा देकर बाहर निकले विद्यार्थियों ने कहा कि हिन्दी का पेपर काफी सरल था। वहीं कुछ विद्यार्थियों ने कहा कि समय कम होने के कारण कुछ प्रश्न छूट गए।

इस केंद्र पर बिगड़ी व्यवस्था

भोपाल के ईदगाह हिल्स स्थित मौलाना आजाद हायर सेकंडरी स्कूल में पेपर देने पहुंचे छात्रों के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। जिससे परीक्षार्थी अस्त व्यस्थ हो गए।परीक्षा कक्ष में सुबह 8.40 बजे एंटी करनी थी, लेकिन सुबह 9 बजे तक लोग परीक्षा कक्ष ढूंढने में परेशान होते रहे। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन की लापरवाही के कारण बच्चों को परेशान होना पड़ा। करीब 9.20 बजे छात्रों को पेपर बांटे गए। हालांकि इस मामले भोपाल के जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार ने बताया कि जिले के सभी परीक्षा केंद्रों में तय समय पर परीक्षाएं शुरु हुई।

इस तरह के पूछे गए सवाल

दसवी के हिन्दी के प्रश्नपत्र में स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत पर अनुच्छेद पर सवाल पूछा गया था। वहीं इसके 3 नंबर निर्धारित किए गए हैं। वहीं एक प्रश्न में पूछा गया कि राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद पाठ के आधार पर राम के स्वभाव की दो विशेताएं बताईए।इसके दो नंबर निर्धारित किए गए हैं। इसी प्रकार बिसमिल्ला खां को शहनाई वादन के लिए भारत रत्न मिला, नेता जी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा कहां लगाई गई है। परशुराम ने किसका वध किया आदि सवाल पूछ गए थे।

काफी सरल रहा पेपर

भोपाल के नेहरू नगर के कोपल स्कूल में परीक्षा देकर निकले राघवेन्द्र ने बताया कि पेपर काफी सरल था। सभी प्रश्न के उत्तर लिख कर आया हूं। एक और छात्र शिवकुमार ने बताया कि कुछ प्रश्न में समझ नहीं आए, लेकिन ओवरआल ठीक रहा। इसी प्रकार तनु यादव ने बताया कि हिंदी का पहला पेपर औसत रहा। जितनी तैयारी की थी, उसी में से आया। हालांकि लिखने में देरी के कारण पूरे प्रश्न नहीं हल कर सके। बता दें कि मध्यप्रदेश में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से शुरु हुई है। जबकि 27 फरवरी को कक्षा 10वीं का पहला पेपर रहा। दोनों ही परीक्षा ओं में मध्यप्रदेश के करीब 16.50 लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। इनके लिए प्रदेश में 3,887 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

16 लाख से अधिक विद्यार्थी दे रहे परीक्षा

इस साल हाईस्कूल (कक्षा 10वीं) परीक्षा में 9 लाख 53 हजार 777 छात्र एवं हायर सेकेंडरी (कक्षा 12वीं) परीक्षा में 7 लाख 6 हजार 475 छात्र शामिल हो रहे हैं। कुल परीक्षार्थियों की संख्या 16 लाख 60 हजार 252 है। बोर्ड परीक्षा के लिए प्रदेशभर में 3,887 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

आजाद के सपनो के विकसित भारत को बनाने के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार कर रही है प्रयास: संपतिया उईके

शहीद आजाद को पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं अलीराजपुर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने अलीराजपुर जिले के टाउन हॉल स्थित आजाद स्मृति पॉर्क में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। स्वराज संस्थान संचालनालय एवं संस्कृति विभाग द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर आजाद मेला का कार्यक्रम आजाद पार्क में किया गया।

प्रभारी मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि करोड़ों लोगो के प्रेरणा स्त्रोत आजाद की भूमि में आप लोगो का जन्म हुआ है ये हम सब के लिए काफी गर्व की बात है। शहीद आजाद ने देश की आजादी के पूर्व विकसित भारत का जो सपना देखा था, केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर उसको साकार करने का हर संभव प्रयास कर रही है। अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की 94वीं पुण्यतिथि के अवसर हम सब लोग चंद्रशेखर आजाद को नमन करने के लिए यहां एकत्रित हुए है। हम सभी लोगों को यहां से प्रेरणा लेनी चाहिए की हम सबके जीवन का मूल उद्देश्य देश हित के लिए ईमानदारी से कर्तव्य निर्वहन का होना चाहिए। चंद्रशेखर आजाद ने न सिर्फ अंग्रेजो का सामना किया बल्कि देश के युवाओं को आजादी के लिए प्रेरित भी किया।

आज हम सब लोग एक आजाद देश में सांस ले पा रहे है। आजाद के सपनों को साकार करने के लिए प्रदेश सरकार वचनबद्ध है। हम सब मिलकर क्षेत्र का विकास कर आजाद के सपने को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वीर बलिदानी आजाद की पुण्यतिथि पर नमन कर मै खुद को गौरवांवित महसूस कर रही हुं।

यात्री बस की डिग्गी में रखे बैग से 75 हजार कीमत का सोने का हार चोरी

भोपाल। गोविंदपुरा पुलिस ने एक ऐसे अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला कायम किया है, जिसने यात्री बस की डिग्गी में रखे बैग से सोने का हार चोरी किया है। थाना पुलिस के अनुसार अवधपुरी इलाके की राधाकुंज कॉलोनी में रहने वाले रामेश्वर प्रसाद ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की उन्हें एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिये परिवार सहित बाड़ी बरेली जाना था। 19 फरवरी को वह आईएसबीटी पहुंचे थे। उनके पास मौजूद बैग को बस के कर्मचारी ने डिग्गी में रखने को कहा। पहले तो उन्होंने ऐसा करने से मना किया लेकिन जब कर्मचारी ने दबाव बनाया तब उन्होंने अन्य यात्रियों के सामान के साथ अपना बैग भी बस की डिग्गी में रख दिया। बरेली में बस से उतरने के बाद उन्होंने जब बैग को खोलकर चैक किया तो पता चला की उसमें रखा 75 हजार कीमत का सोने का हार गायब था। भोपाल वापस आने पर उन्होंने गोविंदपुरा थाने पहुंचकर शिकायत की। आवेदन की जॉच के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण किया है। मामले में पुलिस बस कर्मचारियों से पूछताछ करने की तैयारी में है।

पत्नी से विवाद पर गुस्साये पति ने लगा ली फांसी

भोपाल। राजधानी के मिसरोद थाना इलाके में परिवार सहित रहने वाले एक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया गया है कि मृतक पिता ने किसी बात पर बेटे के साथ मारपीट कर दी थी। इस बात को लेकर उसका अपनी पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद गुस्से में आकर उसने आत्महत्या कर ली।

थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मूल रुप से छिंदवाडा जिले का रहने वाला रमेश पवार पिता हीरामणि पवार (38) मंडीदीप में स्थित हाइड्रा कंपनी में नौकरी करता था। यहॉ वह कृष्णपुरम कॉलोनी में परिवार के साथ किराए से रह रहा था। पुलिस की शुरुआती जॉच में सामने आया है कि रमेश पवार का आठवीं कक्षा में पढ़ने

वाला 14 वर्षीय बेटा बीते दिन कोचिंग गया था, लेकिन वहॉ से जल्दी वापस घर आ गया था। रमेश ने बेटे से जल्दी वापस आने का करण पूछा। इसी बातचीत के दौरान गुस्से में आकर उसने बेटे को पीट दिया। इस बात का उसकी पत्नि ने विरोध किया था। इस पर पति-पत्नी के बीच भी कहासूनी हो गई थी। इसके बाद वह गुस्से में अपने कमरे में चला गया। परिवार ने पुलिस को बताया की गुस्सा होने पर वह अक्सर अपने कमरे में जाकर सो जाता था, उस समय भी पत्नी ने सोचा कि गुस्सा ठंडा होने पर वह खुद ही बाहर आ जाएगा।

लेकिन जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया और बेटे ने उसे काफी आवाजे लगाई लेकिन न तो रमेश ने दरवाजा खोला और न कोई जवाब नहीं दिया। पत्नि और बेटे ने जैसै-तैसै दरवाजा तोड़कर देखा तो भीतर रमेश का शरीर फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। उसे फंदे से उतारकर एम्स अस्पताल ले जाया गया वहॉ डॉक्टरो ने बताया की उसकी मौत हो चुकी है। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया है। जॉच टीम का कहना है कि घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से फिलहाल आत्महत्या का सही कारण साफ नहीं हो सका है।

विश्वास सारंग ने की जीआईएस में सहकारिता विभाग की फॉलो-अप समीक्षा

सीपीपीपी के जरिये निवेश करने वालों के लिये निवेश विंग में नोडल अधिकारी करें नियुक्त

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सहकारिता विभाग में निवेश विंग की स्थापना के लिये अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने विंध्याचल भवन स्थित सहकारिता विभाग में सहकारिता संबंधी निवेशकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिये एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा। साथ ही उन्होंने एक कमेटी गठित करने के भी निर्देश दिये, जो आये प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के बाद हायर लेवल पर प्रस्तुत करेगी। मंत्री सारंग मंत्रालय में जीआईएस के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा कर रहे थे।

हितग्राहियों को परस्पर लाभ देने के लिये सीपीपीपी मॉडल: मंत्री सारंग ने कहा कि विभाग के को-ऑपरेटिव पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) मॉडल का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के हितग्राहियों को परस्पर लाभ प्रदान करने के साथ ही प्रदेश के दूसरे और तीसरे दर्जे के क्षेत्रों के विकास को तिगुनी गति प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि इसीलिये निवेशकों का विशेष ख्याल रखा जाये। सिंगल विण्डो सिस्टम से किसी भी प्रकार की समस्या का निराकरण हो। बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश में सहकारिता क्षेत्र में को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) मॉडल के अंतर्गत कुल अनुमानित 2305 करोड़ रुपये के 19 एमओयू हुए हैं। इनमें प्रमुख रिलायंस द्वारा 1000 करोड़ और वैधनाथ ग्रुप द्वारा निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। मैजेस्टिक बासमती राइस प्राइवेट लिमिटेड रायसेन द्वारा 1000 करोड़ रुपये, आरएम ग्रुप द्वारा 100 करोड़ रुपये, मशरूम वर्ल्ड भोपाल द्वारा 100 करोड़ रुपये, वी विन लिमिटेड भोपाल द्वारा 40 करोड़ रुपये, न्यूट्रेलिस कृषि उत्पादक सहकारी समिति नोएडा यूपी द्वारा 30 करोड़ रुपये, एग्रीविस्टा एआई प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 25 करोड़ रुपये और सवीर बॉयो टेक लिमिटेड नोएडा यूपी द्वारा 10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। साथ ही प्रतिभा सिंटेक्स इंदौर, पतंजलि, भारतीय बीज सहकारी समिति, न्यूट्रेलिस कृषि उत्पादक सहकारी समिति नोएडा आदि ने भी मध्यप्रदेश में निवेश में रुचि जाहिर की है।

बैठक में अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, प्रबंध संचालक मार्कफेड आलोक कुमार सिंह, सहकारिता आयुक्त मनोज पुष्प, अपेक्स बैंक के प्रभारी प्रबंध संचालक मनोज कुमार गुप्ता, राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक ऋतुराज रंजन, बीज संघ के प्रबंध संचालक महेन्द्र दीक्षित सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कुबेरेश्वरधाम धाम में आस्था का सैलाब, कथा वाचक

प्रेम जोड़ता और भ्रम तोड़ता हैः प्रदीप मिश्रा

सीहोर। बेटियों को हमेशा अच्छे संस्कार देना चाहिए, जिससे उनके भावी जीवन में उन्नति हो। राजा दक्ष की पुत्री माता सती और हिमालय की पुत्री मां पार्वती में अंतर था। पति-पत्नी के बीच आपसी विश्वास होना बहुत जरूरी है। अगर, विश्वास नहीं होगा तो वैवाहिक जीवन बर्बाद हो सकता है। संगत से इंसान के स्वभाव पर कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि विभीषण रावण के साथ रहकर भी नहीं बिगड़ा और कैकई राम के साथ रहकर भी नहीं सुधरी।

घर भले ही छोटा हो, पर दिल बड़ा होना चाहिए

शिव महापुराण के तीसरे दिन पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि प्रेम जोड़ता है और भ्रम तोड़ता है। कभी संबंध बनाएं तो यह मत देखना कि उसका घर कितना बड़ा है, बल्कि देखना चाहिए कि उसका दिल कितना बड़ा है। भगवान शिव पर एक लोटा जल चढ़ाने मात्र से ही हमारी सभी इच्छाएं और मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इसके लिए आवश्यक है कि जब हम जल चढ़ाएं, तो निष्कपट भाव से चढ़ाएं। कुबेरेश्वरधाम में रुद्राक्ष महोत्सव शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही निरंतर बनी हुई है। भगवान शिव की आराधना करने वाला भक्त कभी दुखी नहीं रहता। भोलेनाथ की भक्ति में शक्ति है। भगवान भोलेनाथ कभी भी किसी भी मनुष्य की जिंदगी का पासा पलट सकते हैं।

महाकुंभ में जब भेदभाव नहीं, बाकी समय क्यों

उत्तर प्रदेश सरकार दावा कर रही है, महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया है। आस्था के इस महापर्व कुंभ में श्रद्धालुओं और भक्तों के बीच में किसी किस्म का कोई भेदभाव नहीं था। सभी एक ही घाट पर जाकर नहा रहे थे। कोई किसी की जात-पात नहीं पूछ रहा था। यहां कोई गरीब और अमीर भी नहीं था। आस्था के इस महापर्व में जब कोई भेदभाव नहीं था तो बाकी के समय भारत में जाति, धर्म, गरीब-अमीर का भेदभाव क्यों होता है। क्या यह हमारा दोहरा आचरण नहीं है। कहा जाता है कि धर्म आचरण में धारण करना होता है। नारे लगाने से अथवा धार्मिक पुस्तकों को पढ़ने से धर्म नहीं आता है। धर्म आस्था से आता है, आस्था आचरण में होनी चाहिए। कुंभ के इस महापर्व मे प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर सही रास्ते पर चलने का भक्त संकल्प लेते हैं। भारत ने देश एवं दुनिया के देशों को महाकुंभ के इस आयोजन से यही संदेश दिया है। मानव समाज के बीच कोई भेदभाव नहीं हो सकता है। यदि हम इस बात को समझ जाएं और अपनी -अपनी परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था को आचरण में लेकर आएं, तभी मानव संस्कृति और मानव समाज का विकास संभव हो सकता है। जनवरी और फरवरी माह में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हुआ। देश और विदेश से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे। संगम तट पर सभी ने आस्था की डुबकी लगाई। गंगा और संगम में डुबकी लगाने से पाप धुलेंगे, यह संभव नहीं है। जो भी श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने के लिए गए थे, उनके मन में आस्था का विश्वास था। गंगा में डुबकी लगाने के बाद उनके मन का मैल साफ होगा। उनके पाप कटेंगे, उनकी आत्मा और आचरण में शुद्धी आएगी। जिसके कारण वह परमात्मा की निकटता प्राप्त करेंगे। आस्था के कारण करोड़ों की संख्या में जो श्रद्धालु कुंभ पहुंचे हैं। उन्होंने तरह-तरह की तकलीफें और कष्ट झेले, कष्टों ने उन्हें प्रभावित नहीं किया। उनकी आस्था गंगा मैया में डुबकी लगाने की थी। उन्होंने डुबकी लगाकर यह सिद्ध कर दिया है। आस्था से वह जो पाना चाहते हैं, वह पाने में सफल होते हैं। कुंभ के आयोजन का इससे बड़ा अन्य कोई उदाहरण हो नहीं सकता है। महाकुंभ का यह पर्व भारतीय एकता का सबसे बड़ा संदेश है। जब बिना किसी भेदभाव के करोड़ों लोग एक स्थान पर पहुंचकर आपस में मिलकर अपनी आस्थाओं और परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था के साथ बिना किसी भेदभाव के महापर्व को मनाते हैं। महाकुंभ के आयोजन में विभिन्न भाषाओं और विभिन्न धर्मों के लोग प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप इस महापर्व में उपस्थित होकर धर्म को अपनी आस्था को आचरण में शामिल किया। इस महाकुंभ से हम इतना ही सीख पाएं। बिना किसी भेदभाव के हम अपनी धार्मिक पारंपरिक एवं कुल की आस्थाओं के अनुसार मानव विकास और मानव समाज के उत्थान के लिए काम कर सकते हैं। यदि यह सृजनशीलता भारत के सभी लोगों में देखने को मिले, तो भारत का आर्थिक एवं सामाजिक विकास दुनिया के सभी देशों से ज्यादा बेहतर ढंग से होगा। भारतीय संस्कृति हमेशा से सबको साथ लेकर चलती है।

पुरानी व नई पेंशन स्कीम के बीच मचे घमासान के बीच यूनिफाईड पेंशन स्कीम लांच

भारत में केंद्र व राज्य सरकार स्तरपर हम करीब दो दशकों से देख रहे हैं कि कर्मचारियों व सरकारों केबीच पुरानी पेंशन स्कीम व नई पेंशन स्कीम का मुद्दा छाया हुआ था, इसपर कई आंदोलन भी हमने देखे, जिसपर केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में पूर्व वित्त सचिव टीवी स्वामीनाथन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था ताकि एनपीए की समीक्षा की जा सके। इस समिति ने केंद्रीय कर्मचारियों के संघों व दूसरे प्रतिनिधियों,राज्य सरकारों, आरबीआई, विश्व बैंक, राजनीतिक दलों समेत दूसरे श्रम संगठनों के साथ विस्तार सेविमर्श के बाद एक रिपोर्ट तैयार की थी।जिसके आधार पर दिनांक 24 अगस्त 2024 को केंद्रीय कैबिनेट मंत्रीमंडल की मीटिंग में देर शाम यूनिफाइड पेंशन स्कीम के फैसले पर मोहर लगाई गई जो 1 अप्रैल 2025 से लागू होगा, जिसमें कहा गया है कि कर्मचारी नई पेंशन स्कीम व यूनिफाई पेंशन स्कीम में चॉइस कर सकते हैं। चूंकि पुरानी व नई पेंशन स्कीम के बीच मचे घमासान के बीच यूनीफाई पेंशन स्कीम लॉन्च की गई है,इसलिए आज हम मीडियामें उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पेंशन श्व यूनिफाइड पेंशन स्कीम पर लगा सरकार का ठप्पा, 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी।नई लांच की गई यूनिफाइ पेंशन स्कीम व नई पेंशन स्कीम में से कोई एक चुनने में कर्मचारी स्वतंत्र होंगे, इस स्कीम पर विपक्ष का तंज परंतु कर्मचारियों नें पीएम से मिलकर आभार जताया है। साथियों बात अगर हम दिनांक 24 अगस्त 2024 को देर शाम यूनिफाइ पेंशन स्कीम लॉन्च करनेकी करें तोसरकार के खजाने पर बढ़ते दवाबको देखतेहुए ओल्ड पेंशनस्कीम को खत्म करके नई पेंशन स्कीम (एनपीएस) को लाया गया था। मगर उसका विरोध होता रहा था और अब सरकार ने एनपीएस से बेहतर स्कीम उतारने का दावा किया है, जिसे यूपीएस कहा जा रहा है। अब हमें तीनों में क्या फर्क है यह जानना जरूरी है, और समय के साथ क्या-क्या होता गया, केंद्र सरकार ने देश में पुरानी पेंशन स्कीम और नई पेंशन स्कीम के बीच मचे घमासान के बीच नई पेंशन स्कीम को हटाते हुए इसकी जगह पर यूनिफाई पेंशन योजना लॉन्च की है। यूपीएस लॉन्च होने पर सवाल उठता है कि आखिरी नई पेंशन स्कीम क्या थी और ये पुरानी पेंशन स्कीम से कितना अलग था। इसमें क्या दिक्कतें थी जिसकी वजह से इसका विरोध किया जा रहा था जो हम नीचे के पैराग्राफ में चर्चा करेंगे। परन्तु अब, यूपीएस सामने आई है।सरकार दावा कर रही है कि इसमें एनपीएस में आ रही तमाम शिकायतों को दूर कर दिया गया है। इस योजना में ओल्ड पेंशन स्कीम की तरह ही सुनिश्चित पेंशन का प्रावधान है, और इसे 2025 से लागू किया जाएगा। यूपीएस में पेंशन की राशि निश्चित होगी, और यह परिवार के लिए भी सुनिश्चित पेंशन का लाभ प्रदान करेगी। साथ ही, इसमें महंगाई के अनुसार पेंशन में समायोजन का प्रावधान भी है। यूपीएस को एक बैलेंस्डसॉल्यूशन के रूप में देखा जा रहा है।केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री ने कहा,सरकारी कर्मचारियों की एनपीएस में सुधार की मांग रही है। यूपीएस सरकार के कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना है, इस योजना के तहत कर्मचारियों को एक निश्चित पेंशन का प्रावधान किया जाएगा,जो एनपीएस से अलग है,जिसमें पेंशन की राशि निश्चित नहीं होती थी।सरकार की तरफ से कहा गया है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को यह निर्णय लेने का अधिकार होगा कि वे एनपीएस में बने रहें या यूपीएस में शामिल हों।कैबिनेट सचिव टी वी सोमनाथन ने भी कहा,यह योजना उन सभी पर लागू होगी, जो 2004 के बाद से एनपीएस के तहत रिटायर हो चुके हैं। हालांकि यूपीएस 1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी, लेकिन 2004 से लेकर 31 मार्च, 2025 तक एनपीएस के तहत सेवानिवृत्त हुए सभी कर्मचारी यूपीएस के पांचों लाभ के पात्र होंगे। उन्हें पिछले पेंशन भुगतानों के समायोजन के बाद इस योजना का लाभ मिलेगा। साथियों बात अगर हम यूपीएस के पांच मुख्य स्तंभों की करें तो केंद्रीय मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एनिमेशन से बताया,(1) **निश्चित पेंशन:** यूपीएस के तहत, कर्मचारियों की पेंशन उनकी रिटायरमेंट से पहले के अंतिम 12महीनों के औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत होगी, इसके लिए शर्त यह है कि यदि उन्होंने कम से कम 25 वर्षों की सर्विस की हो। यदि सर्विस 25 साल से कम है और 10 साल से अधिक है तो यह अमाउंट प्रो-डेटा के आधार पर दी जाएगी। (कितने वर्ष पर कितनी होगी, इससे विस्तृत जानकारी का इंतजार है) न्यूनतम 10 वर्षों की सेवा के लिए पेंशन का प्रावधान रहेगा। (2) **निश्चित पारिवारिक पेंशन:** यूपीएस के तहत पारिवारिक पेंशन भी दी जाएगी, जो कर्मचारी के मूल वेतन का 60 प्रतिशतहोगी।यह पेंशन कर्मचारी की मृत्यु के तुरंत बाद उनके परिवार को दी जाएगी, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यदि पहले ही वर्ष किसी कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है तो क्या उसके परिवार को भी इसी आधार पर पेंशन मिलेगी (3) **न्यूनतम पेंशन का प्रावधान:** यूपीएस के तहत यदि कोई कर्मचारी कम से कम 10 वर्षोंकी सेवाके बादरिटायर होता है, तो उसे न्यूनतम 10, हज़ार रुपये प्रति माह की पेंशन मिलेगी। (4) **महंगाई का समायोजन :** इस योजना में पेंशन पारिवारिक पेंशन और न्यूनतम पेंशन परमुद्रास्फीति के अनुसार समायोजन का प्रावधान भी है (5) **ग्रेच्युटी :** यूपीएस के तहत रिटायरमेंट के समय एकमुश्त भुगतान किया जाएगा, जो कर्मचारी के अंतिम वेतन (मूल वेतन + महंगाई भत्ता) का 1/10वां हिस्सा होगा। यह भुगतान हर छह महीने की सेवा के लिए होगा और यह पेंशन की राशि को कम नहीं करेगा।इससे केंद्र पर वर्ष 2025-26 के दौरान ही 6250 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। चुनावी माहौल में इसे सरकार की ओर से बड़ाराजनीतिक मोहरा भी माना जा रहा है।यूक्रेन से यात्रा के बाद शनिवार दोपहर नई दिल्ली पहुंचे पीएम की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक देर शाम को हुई जिसमें यूनीफाइड पेंशन स्कीम के बारे में फैसला किया गया।

प्रोसेस्ड, फास्ट फूड के सेवन से पनपती स्वास्थ्य समस्याएं

फास्ट फूड जल्दी से जल्दी खाने और स्वादिष्ट स्वाद के लिए बनाया जाता है और यह ज़्यादा पका हुआ, अत्यधिक प्रोसेस्ड और फाइबर में उच्च होता है। मानव शरीर बिना प्रोसेस्ड, अत्यधिक रेशेदार और कम से कम पके हुए खाद्य पदार्थों के लिए बना है, इसलिए वे पूरी तरह से अनुपयुक्त हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

फास्ट फूड से शुगर स्पाइक्स इंसुलिन प्रतिरोध, वज़न बढ़ने, वसा संश्लेषण और मधुमेह में पैदा करते हैं। भारत में फैलते फास्ट फूड उद्योग में इडली, वड़ा और डोसा परोसने वाले रेस्तरां, मैकडॉनल्ड्स बर्गर, डोमिनोज़ पिज्जा, पानीपूरी-चटमसाला कियोस्क और पावभाजी-समोसा ठेले शामिल हैं। मोटापा और मधुमेह दोनों तेजी से बढ़ रहे हैं। हमारे शरीर को स्वस्थ कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, जिसे मक्खन, दूध और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों से प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन हमारे शरीर को खराब कोलेस्ट्रॉल से नुक़सान होता है। सड़क पर फास्ट फूड तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले खाना पकाने के तेल में उच्च ट्राइग्लिसराइड (खराब कोलेस्ट्रॉल) सामग्री होती है, जिसे खाने से खतरनाक बीमारियाँ हो सकती हैं। । फास्ट फूड रेस्तरां अपने भोजन में स्वाद और सुगंध भी मिलाते हैं, जिससे यह अविश्वसनीय रूप से स्वादिष्ट और लगभग नशे की लत बन जाता है। आयुर्वेदिक और सात्विक आहार जो हिंदू रीति-रिवाजों का एक प्रमुख हिस्सा हैं, उनकी जगह आधुनिक आहार ले रहे हैं। पारंपरिक खान-पान की प्रथाएँ, पारिवारिक भोजन और सामाजिक बंधन सभी फास्ट-फ़ूड संस्कृति से प्रभावित हो रहे हैं। अकेले खाने और स्विगी और ज़ोमैटो जैसी ऑनलाइन भोजन वितरण सेवाओं के बढ़ने के परिणामस्वरूप लोगों के साथ मिलकर खाने का तरीक़ा बदल गया है।

भारत की खाद्य संस्कृति वैश्वीकरण, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के परिणामस्वरूप बदल रही है, जो प्रमुख सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का कारण बन रही है। भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा हो रही है, जैसे मोटापा, टाइप 2 मधुमेह और हृदय सम्बंधी विकार। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण सम्बंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। इस प्रवृत्ति में समय के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर दबाव डालने और पीढ़ियों के जीवन की सामान्य गुणवत्ता को प्रभावित करने की क्षमता है। क्योंकि यह मोटापे, खराब पोषण और अस्वास्थ्यकर खाने के पैटर्न को बढ़ावा देता है, फास्ट फूड का सेवन बच्चों के स्वास्थ्य और खाने की आदतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फास्ट फूड, जिसमें कैलोरी, चीनी और खराब वसा अधिक होती है, मधुमेह और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के विकास के जोखिम को बढ़ाता है और वज़न बढ़ाता है। फास्ट फूड के लगातार सेवन से बच्चे स्वस्थ खाद्य पदार्थों की तुलना में प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे संतुलित आहार खाने और पौष्टिक भोजन चुनने की उनकी संभावना कम हो जाती

है। आजकल, बहुत से युवा फास्ट फूड को पसंद करते हैं क्योंकि यह सुविधाजनक, स्वादिष्ट और जल्दी बनने वाला होता है। इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में जानते हुए भी वे इसे खाना जारी रखते हैं। व्यस्त जीवन शैली में, फास्ट फूड को जल्दी से जल्दी खाना सुविधाजनक है। वे भीड़ का अनुसरण करते हैं क्योंकि उनके दोस्त भी इसे पसंद कर सकते हैं। फास्ट फूड रेस्तरां अपने भोजन में स्वाद और सुगंध भी मिलाते हैं, जिससे यह अविश्वसनीय रूप से स्वादिष्ट और लगभग नशे की लत बन जाता है। इसके अस्वास्थ्यकर तत्वों, जैसे अत्यधिक वसा और चीनी के बारे में जानने के बाद भी, उन्हें फास्ट फूड की लालसा का विरोध करना मुश्किल लगता है। फास्ट फूड कंपनियाँ अपने उत्पादों को कूल और मनोरंजक दिखाने के लिए भ्रामक विज्ञापन का उपयोग करती हैं, जो एक और कारक है। मशहूर हस्तियों और यादगार नारों का उपयोग ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जाता है, खासकर युवा लोगों का। अपनी बुद्धिमत्ता और शिक्षा के बावजूद, लोग कभी-कभी अपने स्वास्थ्य पर संभावित हानिकारक प्रभावों पर विचार करने के बजाय फास्ट फूड खाने को प्राथमिकता देते हैं। वे ऐसे पेश आते हैं जैसे उन्हें पता है कि यह सबसे अच्छा विकल्प नहीं है, लेकिन फिर भी वे इसे चुनते हैं क्योंकि यह बहुत सरल और आकर्षक है। इसलिए, बहुत से लोग अभी भी ख़ुद को फास्ट फूड की ओर आकर्षित पाते हैं, भले ही वे इनका नुकसान जानते हों। चूँकि लोग घर के बने खाने की जगह सुविधाजनक भोजन चुन रहे हैं, इसलिए खान-पान की आदतें बदल रही हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में युवा लोग ज़्यादा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खा रहे हैं। बाजरा जैसे पारंपरिक अनाज की जगह रिफ़ाइंड अनाज और पैकेज्ड खाद्य पदार्थ ले रहे हैं। बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2023 में अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष की शुरुआत की थी। प्रोसेस्ड, उच्च वसा, उच्च चीनी वाले पश्चिमी आहार की बढ़ती संख्या पारंपरिक संतुलित भोजन की जगह ले रही है। मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और डोमिनोज़ के तेज़ी से बढ़ने के कारण भारत में शहरी खान-पान की आदतें बदल गई हैं। वैश्वीकरण के कारण खाद्य संस्कृति के एकरूपीकरण के कारण, क्षेत्रीय व्यंजन अपनी विशिष्टता खो रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत में किण्वन-आधारित आहार और अन्य पारंपरिक खाना पकाने की तकनीकें लोकप्रिय नहीं हो रही हैं। खान-पान की बदलती आदतों के कारण, त्योहारों और धर्मों की पाक परंपराएँ अपना महत्त्व खो रही हैं। आयुर्वेदिक और सात्विक आहार जो हिंदू रीति-रिवाजों का एक प्रमुख हिस्सा हैं, उनकी जगह आधुनिक आहार ले रहे हैं। पारंपरिक खान-पान की प्रथाएँ, पारिवारिक भोजन और सामाजिक बंधन सभी फास्ट-फ़ूड संस्कृति से प्रभावित हो रहे हैं। अकेले खाने और स्विगी और ज़ोमैटो जैसी ऑनलाइन भोजन वितरण सेवाओं के बढ़ने के परिणामस्वरूप लोगों के साथ मिलकर खाने का तरीक़ा बदल गया है।

अधिसंख्य आबादी तक पहुंचें सस्ती दवाइयां

पिछले काफी समय से जेनेरिक या ब्रांडेड दवाओं पर बहस छिड़ी है। पिछले साल नेशनल मेडिकल कमीशन ने एक नियम लागू किया था। इसमें कहा गया था कि डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं भी लिखनी होंगी। नियम न मानने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एनएमसी के इस फैसले के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने इस नियम पर सवाल खड़े किए थे।

कई डॉक्टर एसोसिएशन ने भी नए कानून का विरोध कर इसको वापस लेने की मांग की थी। तर्क यह दिया गया था कि ब्रांडेड दवा न लिखने से मरीजों को नुकसान हो सकता है। विरोध के बाद एनएमसी ने अपना फैसला वापस ले लिया था। सरकार मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कानून में संशोधन की तैयारी कर रही है। इसके बाद डॉक्टर्स को मरीजों के लिए सिर्फ जेनेरिक दवा लिखनी होंगी, न कि किसी विशेष ब्रांड या कंपनी की। इसके बाद भी मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने लगेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि जेनेरिक दवाओं के चलन से बड़ी फार्मा कंपनियों को सीधे नुकसान होगा। आमतौर पर सभी दवाओं में एक तरह का 'केमिकल सॉल्ट' होता हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड (जैसे क्रोसिन) के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड की तुलना में 10 से 20 गुना तक सस्ती होती हैं। दरअसल, फार्मा कंपनियां ब्रांडेड दवाइयों की रिसर्च, पेटेंट और विज्ञापन पर काफी पैसा खर्च करती हैं। जबकि जेनेरिक दवाइयों की कीमत सरकार तय करती है और इसके प्रचार-प्रसार पर ज्यादा खर्च भी नहीं होता। कई जानलेवा बीमारियां जैसे एचआईवी, लंग कैंसर, लीवर कैंसर में काम आने वाली दवाओं के ज्यादातर पेटेंट बड़ी-बड़ी कंपनियों के पास हैं। वे इन्हें अलग-अलग ब्रांड से बेचती हैं। अगर यही दवा जेनेरिक में उपलब्ध हो तो इलाज पर खर्च 200 गुना तक घट सकता है। जैसे एचआईवी की दवा टेनोफिविर या एफाविरेज़ की ब्रांडेड दवा का खर्च 2,500 डॉलर यानी करीब 1 लाख 75 हजार रुपये है, जबकि जेनेरिक दवा में यही खर्च 12 डॉलर यानी महज 840 रुपये महीने तक हो सकता है। हालांकि, इन बीमारियों का इलाज ज्यादातर सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में होता है। ऐसे में ये दवाएं इन अस्पतालों में या वहां के केमिस्ट के पास ही मिल पाती हैं। देश में फार्मा इंडस्ट्री 1.20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की है और इसकी सालाना ग्रोथ 11 प्रतिशत है। देश में सालाना करीब 1.27 लाख करोड़ की दवाएं बेची जाती हैं, इसमें 75 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा जेनेरिक दवाओं का है। भारत जेनेरिक दवाइयों का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। दुनियाभर की डिमांड की 20 प्रतिशत दवाइयां भारत सप्लाई करता है। अमेरिका में 40 प्रतिशत और यूके में 25 प्रतिशत दवाइयां भारत सप्लाई करता है। 2018-19 में देश से 1,920 करोड़ डॉलर की दवाइयां एक्सपोर्ट की गईं। दुनियाभर में कुल वैक्सीन डिमांड का 50 प्रतिशत भारत से सप्लाई होता है। इनके अलावा दक्षिण अफ्रीका, रूस, ब्राजील, नाइजीरिया और जर्मनी में भी भारतीय दवाएं एक्सपोर्ट की गईं। एक अनुमान के मुताबिक, किसी भी मरीज के इलाज के दौरान होने वाले खर्च का 70 प्रतिशत अकेले दवाओं पर खर्च हो जाता है। सरकार ने पिछले महीने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि इलाज और दवा पर होने वाले खर्च की वजह से देश में हर साल 3 करोड़ 8 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं। फिलहाल सरकार की आयुष्मान भारत योजना से निःशुल्क इलाज और जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती जेनेरिक दवाओं का मिलना लोगों के लिए राहत की बात है। आयुष्मान भारत योजना का दायरा देश की अधिसंख्य आबादी तक बढ़ाने की जरूरत है।

मानव जीवन में बढ़ती विज्ञान की भूमिका

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है।

दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान् वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात् भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।'' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। 2025 के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम है 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'। 2024 में यह दिवस विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 2023 में 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य - शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीअई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्योगिकी और नवाचार (एसटीअई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है।

शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव है महिला अध्यापिकाओं की बढ़ती संख्या

महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20 प्रतिशत अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं।

उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है। अकादमिक महिलाओं को प्राय: मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर से ब्रेक ले लेती हैं, जिससे उनके करियर में आगे बढ़ने और गुणवत्तापूर्ण शोध करने की क्षमता में बाधा आती है। नीति आयोग के अनुसार, भारत में महिला सदस्य बच्चे को जन्म देने के बाद लम्बे समय तक अपने करियर से ब्रेक ले लेती हैं, जिससे उनके स्थायी आधार पर नियुक्त होने की संभावना कम हो जाती है। यूडीआईएसई+ 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केवल 43प्रतिशत संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20प्रतिशत अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है। उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम

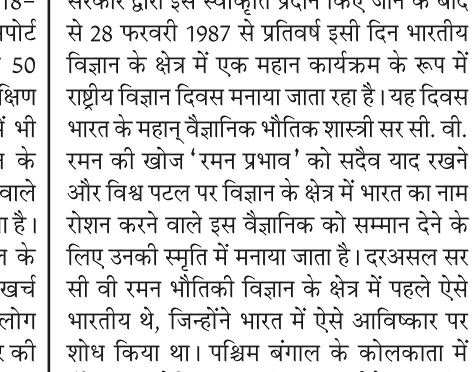

प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43प्रतिशत है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20प्रतिशत से कम है, जो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दर्शाता है। अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर स्तर तक सीमित है, जहां उनका प्रतिशत तेजी से गिरता है। सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 25प्रतिशत से भी कम पूर्ण प्रोफेसर महिलाएं हैं, जो निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। भारत के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में 10प्रतिशत से भी कम कुलपति महिलाएं हैं। सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के कारण, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, जबकि ग्रामीण और उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में यह कम है। केरल के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आधे से अधिक प्राध्यापक महिलाएं हैं, जबकि बिहार और राजस्थान में यह प्रतिशत 30प्रतिशत से भी कम है। नियुक्ति और पदोन्नति में अचेतन पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाने की संभावना कम होती है। अकादमिक महिलाओं को प्राय: मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर में ब्रेक ले लेती हैं, जिसका असर उनकी उन्नति और शोध कार्य की संभावनाओं पर पड़ता है।समान कैरियर उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना, लिंग कोटा स्थापित करना, चयन समितियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा स्पष्ट पदोन्नति मानकों को लागू करना, शैक्षणिक नियुक्ति समितियों में 40 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्यता के द्वारा, जर्मनी का डीएफजी कार्यक्रम अधिक महिलाओं को उच्च शिक्षा में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षाविदों में महिलाओं की मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंच बढ़ाना- महिला संकाय सदस्यों को वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ जोड़ने के लिए औपचारिक मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करना, वित्तपोषण के अवसरों, अनुसंधान और नेतृत्व विकास पर सलाह देना। केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1, एमपी नगर, भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार, मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

खाद्य पदार्थ की हानि एवं भोजन की बर्बादी को लेकर हमें जन-जन को जागरूक करने की आवश्यकता : परशुराम

डब्ल्यू आर आई इंडिया एवं ईपीसीओ के संयुक्त तत्वावधान में खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी को लेकर कार्यशाला आयोजित

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

भारत में भोजन की बर्बादी के अनेक कारण हैं, जिनमें व्यक्तिगत और सामाजिक कारक शामिल हैं। इसलिए, भोजन की बर्बादी को रोकने के लिए विभिन्न स्तरों पर उपायों की जरूरत है। बडे शहरों में भोजन की बर्वादी अधिक होती है। हमें सबसे ज्यादा कार्य भी बडे शहरों में करना है। हमें अधिक से अधिक जन जागरूकता फैलाना है। उक्ताशय के विचार पूर्व मुख्य सचिव डॉ. आर परशुराम ने रेडिसन होटल में आयोजित खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी कार्यशाला में व्यक्त किए। डब्ल्यू आर आई इंडिया एवं ईपीसीओ के संयुक्त तत्वाधान में ग्वालियर में खाद्य हानि और भोजन की बर्बादी में कमी लाने के लिये जिला स्तरीय रणनीतियां बनाने के उद्देश्य से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें संभागीय आयुक्त मनोज खत्री, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय सहित अन्य अधिकारी एवं सामाजिक संस्थाएं उपस्थित रहीं। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भोजन की वर्वादी आमजन की आदत बन चुकी है। आज के समय में भोजन की वर्वादी एक बडा मुद्दा बनता जा रहा है। क्योंकि शहरों की आवादी बडती जा रही है और कृषि की जमीनें कम होती जा रही हैं। आने वाले दिनों में भुकमरी ही सबसे बडा मुद्दा होगा। हमें भोजन की बर्वादी को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। अधिक से अधिक जनजागरूकता के कार्यक्रम आयोजित करने होंगे। निगमायुक्त संघ प्रिय ने कहा कि फूड लॉस एण्ड फूड वेस्ट वास्तव में हमारी खाद्य प्रणाली की सततता की एक महत्वपूर्ण थीम है और इस पर आज से ही ध्यान देने की जरूरत है। फूड लॉस एण्ड फूड वेस्ट में कमी लाने से खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और पानी तथा भूमि जैसे संसाधनों पर कई सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। साथ ही इससे ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी आती है। मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि इस संवाद कार्यक्रम के माध्यम से ग्वालियर में इस एजेंडा को सुव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने के लिये और भी ज्यादा गहन विचार-विमर्श और कार्रवाई की जाएगी। ग्वालियर मध्य प्रदेश का चौथा सबसे बड़ा शहर है और इसने सतत वेस्ट प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने, स्वास्थ्य और स्वच्छता के बेहतर मानकों को सुनिश्चित करने और जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रयासों के तहत कई कदम उठाए हैं।

जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में हुई बुक सेलर व वेंडर्स की बैठक

सभी बुक सेलर से बुक फेयर में अपने-अपने स्टॉल लगाने को कहा गया

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

निजी स्कूलों के बच्चों को रियायती दर पर किताबें, ड्रेस व स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिए प्रस्तावित बुक फेयर (पुस्तक मेला) की तैयारियां जारी हैं। इस सिलसिले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार की अध्यक्षता में पुस्तक विक्रेता, डिस्ट्रीब्यूटर व वेंडर्स की बैठक हुई। इस अवसर पर बुक फेयर के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही सभी पुस्तक विक्रेताओं से बुक फेयर में अपनी-अपनी स्टॉल लगाने को कहा गया। ज्ञात हो जिला प्रशासन द्वारा 20 से 26 मार्च तक ग्वालियर मेला परिसर में बुक फेयर लगाया जाएगा। गुरुवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में हुई बैठक में अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम व श्री टी.एन. सिंह, एसडीएम श्री अतुल सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कटियार व डीपीसी, श्री रविन्द्र सिंह तोमर सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं ग्वालियर व डबरा के बुक सेलर व वेंडर्स मौजूद थे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने पुस्तक विक्रेताओं से कहा कि वे बुक फेयर में पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकें लेकर आएं। साथ ही युनीफॉर्म व स्टेशनरी भी अपने स्टॉल पर रखें। सीबीएसई, आईएससी एवं एमपी बोर्ड से संबंध स्कूलों का पाठ्यक्रम की जानकारी सभी पुस्तक विक्रेताओं को समय से उपलब्ध करा दी जाएगी। इसके अनुसार सभी बुक सेलर किताबों की पहले से व्यवस्था कर लें। बुक फेयर के संबंध में पुस्तक विक्रेताओं व वेंडर्स के सुझाव भी बैठक में लिए गए।

जिन बच्चों के माता-पिता नहीं हैं उन्हें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मदद करें

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत ने की अपील

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

जिले के ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता नहीं है, और वो संस्था, समुदाय परिवार के बीच में रह रहे हैं। उन सबकी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मददगारों से आह्वान किया गया है कि बच्चों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए आवश्यक सहायता तथा सहयोग प्रद कर इस मानवीय सरोकार के सहभागी बनें। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री भरत सिंह राजपूत ने विज्ञप्ति जारी कर आव्हान युक्त अपील की है।

उन्होंने समाजों के जिम्मेदार और साधन सम्पन्न व्यक्तियों के साथ साथ प्रशासनिक, स्वास्थ्य, कानून और अन्य सबंधित क्षेत्रों के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन है अथवा चाटर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर, वकील जैसे पेशेवर व्यवसायी अथवा जनप्रतिनिध या प्रतिष्ठित संगठन, संस्था के प्रतिनिधियों से निम्नानुसार स्वैच्छिक रूप से सहयोग करने हेतु अपील की गई है।

ग्वालियर शहर में संचालित हैं 5 स्थाई और दो चलित दीनदयाल रसोई जरूरतमंदों को रियायती दर पर भोजन करा रही हैं

अब तक 46 लाख 57 हजार से अधिक लोगों को भोजन करा चुकी हैं दीनदयाल रसोई

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

काम की तलाश, अपनो के इलाज अथवा अन्य जरूरी कामों से ग्वालियर शहर आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 'दीनदयाल रसोई' मात्र 5 रुपए में भोजन की थाली उपलब्ध करा रही है।

सरकार द्वारा नगरीय विकास एवं आवास विभाग के माध्यम से यह दीनदयाल रसोई योजना संचालित है। ग्वालियर शहर में वर्तमान में 5 स्थायी व 2 चलित दीनदयाल रसोई विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंदों को रियायती दर पर भोजन करा रही है। ग्वालियर में वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री दीनदयाल रसोई योजना शुरू हुई थी। योजना की शुरूआत से लेकर अब तक अब तक 46 लाख 57 हजार 203 जरूरतमंदों को भोजन की थाली उपलब्ध कराई जा चुकी है। ग्वालियर शहर में मुख्य बस स्टैण्ड, झांसी रोड बस स्टैण्ड, राजपायगा नया बाजार व इंटक मैदान में दीनदयाल रसोई संचालित हैं। इसके अलावा एक दीनदयाल रसोई जिला चिकित्सालय मुरार परिसर में मोबाइल वैन के जरिए चलाई जा रही है। साथ ही दो चलित दीनदयाल रसोई भी श्रमिक बहुल क्षेत्रों में पहुंचकर जरूरतमदों को भोजर करा रही है। ग्वालियर में हर रोज लगभग 3100 से 3500 जरूरतमंद लोगों को गरमा-गरम सुरुचि पूर्ण पौष्टिक भोजन दीनदयाल रसोई करा रही है। इसके अलावा चलित दीनदयाल रसोई द्वारा भी 1200 से 1400 थालियां हर दिन परोसी जा रही है। शहरवासी अपने परिजन की पुण्यतिथि व जन्मदिवस जैसे अवसर पर भी असहाय व जरूरतमंद लोगों को दीनदयाल रसोई के माध्यम से भोजन कराते हैं। ऐसे आयोजनों में प्रतिदिन 100 से लेकर 200 लोगों को दीनदयाल रसोई सस्ती दर पर भोजन की थाली उपलब्ध करा रही है।

ग्वालियर में 20 से 26 मार्च तक लगेगा पुस्तक मेला व्यापार मेला परिसर में होगा पुस्तक मेले का आयोजन

स्कूली बच्चों को सस्ते दर पर किताबें, स्टेशनरी व यूनीफॉर्म दिलाने के लिए लगाया जा रहा है यह मेला

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

स्कूली बच्चों को सस्ती दर पर किताबें, यूनीफॉर्म व स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिये ग्वालियर में सात दिवसीय पुस्तक मेला (बुक फेयर) लगाया जायेगा। यह बुक फेयर अगले माह 20 से 26 मार्च तक ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में लगेगा।

कलेक्टर रुचिका चौहान ने सभी निजी स्कूलों के प्राचार्यों व संचालकों को अपने-अपने स्कूल के नोटिस बोर्ड पर पाठ्यक्रम मे शामिल पुस्तकों की जानकारी प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं साथ ही यह जानकारी विद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड करने के लिए भी कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कोई भी स्कूल पुस्तक मेला से पहले बच्चों को किताबें खरीदकर स्कूल लाने के लिये बाध्य नहीं कर सकेगा। श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर मेला परिसर में लगने जा रहे सात दिवसीय पुस्तक मेले में सीबीएसई, आईएसई एवं एमपी बोर्ड से संबंध सभी निजी स्कूलों के पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकें व यूनीफॉर्म उपलब्ध रहेंगी। जिला प्रशासन द्वारा बच्चों व उनके अभिभावकों के हित को ध्यान में रखकर लिए गए पुस्तक मेला लगाने के निर्णय का पुस्तक प्रकाशकों (पब्लिशर्स) व डीलर्स ने स्वागत किया है। वेंडर्स यानि पुस्तक विक्रेताओं द्वारा पुस्तक मेला मे किताबें, स्टेशनरी व ड्रेस खरीदने वाले अभिभावकों को विशष छूट दी जायेगी। पुस्तक मेला लगने से अनाधिकृत प्रिंटिंग कर पुस्तक बेचने की प्रवृत्ति पर भी प्रभावी रोक लगेगी। मेक इन इंडिया की थीम पर पुस्तक मेले मे मेक इन ग्वालियर को बढ़ावा दिया जायेगा। अर्थात स्थानीय स्तर पर निर्मित स्टेशनरी को विशेष प्रोत्साहन पुस्तक मेले मे मिलेगा। कलेक्टर रुचिका चौहान ने स्थानीय स्टेशनरी विक्रेताओं से इस मेले में अपनी-अपनी स्टॉल लगाने की अपील की है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जरूरतमंद बच्चों को पुस्तके उपलब्ध कराने के लिए बुक बैंक भी बनाया जाएगा। कलेक्टर रुचिका चौहान ने अपील की है कि ऐसे स्कूली विद्यार्थी जो अपनी पिछली कक्षा की किताबें दान करना चाहते है वे बुक बैंक में अपनी किताबे जमा करा दें, जिससे जरूरतमंद बच्चों को यह किताबे उपलब्ध कराई जा सकें। कलेक्टर चौहान ने कहा है कि पुस्तकें दान करने वाले बच्चों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। पुस्तक विक्रेताओं एवं स्कूली बच्चों व उनके अभिभावकों की मदद के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से हैल्पलाईन नंबर भी जारी कराया गया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजा एवं अतिथियों के स्वागत से हुआ

कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान पर्व 2025 का शुभारंभ

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

राजमाता विजया सिंधिया शासकीय कन्या अग्रणी स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संरक्षक डॉक्टर नीता पांडे की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती सुमन सोनी, विशेष अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल में कार्यरत प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर मनोज कुमार त्रिपाठी और प्रोफेसर केके पंजाबी की उपस्थिति में राष्ट्रीय विज्ञान पर्व 2025 का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम 25 से 28 फरवरी 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल और राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजा एवं अतिथियों के स्वागत से हुआ। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में विज्ञान संकाय की छात्राओं एवं विज्ञान संकाय के फैकल्टी ने प्रचार-प्रसार के साथ आयोजित किया। इस अवसर पर जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती सुमन सोनी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि यह अवसर आपके महाविद्यालय के पास है, यह आपके विकास का समय है, नए सोच से स्टार्टअप शुरू करें। वहीं संस्था प्रमुख डॉक्टर नीता पांडे ने सभी को बधाई देते हुए छात्राओं को इसका महत्व बताया छात्राओं को अपने इनोवेशन आइडिया को साझा करने एवं नेतृत्व करने हेतु प्रोत्साहित किया। विज्ञान दिवस पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। एसएटीआई के प्रोफेसर केके पंजाबी ने छात्राओं को बैलगाड़ी से स्पेस तक के सफर से अपने व्याख्यान के माध्यम से अवगत कराया। साथ ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल में कार्यरत प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर मनोज कुमार त्रिपाठी जो कि विश्व के दो परसेंट 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में नामित है के द्वारा छात्रों को कृषि यांत्रिकी, फूड इंडस्ट्री, विकसित भारत स्टार्टअप पेटेंट के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप स्वयं के आईडिया से स्टार्ट अप करें, आत्मनिर्भर बनें।

जिला पंचायत सीईओ ने किया कुंडम जनपद पंचायत में विभिन्न कार्यों का निरीक्षण

अपूर्ण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत ने गुरुवार को जनपद पंचायत कुण्डम की ग्राम पंचायत तिलसानी के ग्राम घुघरी, ग्राम पंचायत जुझारी के ग्राम विशनपुरा, ग्राम पंचायत फिफरी के ग्राम पिपरिया, ग्राम पंचायत लहसर के ग्राम के ग्राम नारायणपुर एवं ग्राम पंचायत बघराजी में परमाकल्चर, वृक्षारोपण कार्य, नवीन तालाब, खेत तालाब, अमृत सरोवर आदि कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपूर्ण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत कुण्डम, उपयंत्री एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हेलमेट पहनकर वाहन चलाने के अभियान की शुरुआत कलेक्ट्रेट सहित सभी शासकीय कार्यालयों से होगी

कलेक्टर सिंह ने सड़क सुरक्षा को लेकर निर्धारित एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा कर दिशा-निर्देश दिए

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें सड़क सुरक्षा को लेकर निर्धारित एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा कर दिशा-निर्देश दिए गए हैं। बैठक में जिले के चिन्हित ब्लैकस्पॉट, आवागमन स्थलों पर पार्किंग व्यवस्था एनएचएआई और एमपीआरडीसी की सड़कों पर साइनेज बोर्ड मार्किंग सहित शहर में अतिक्रमण को हटाए जाने के संबंध में अब तक क्या-क्या कार्यवाहियां की गई हैं पर चर्चा कर इन समस्त बिंदुओं पर कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए गए हैं। पूर्व बैठक में लिए गए निर्णय पर भी चर्चा कर अब तक क्या-क्या कार्यवाही की गई है से भी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अवगत कराया। इस बैठक में खास तौर से आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाया जाए पर विशेष बल दिया गया है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने वाहन चालक हेलमेट अवश्य लगाएं इसके लिए उन्होंने नवीन पहल करते हुए इसकी शुरुआत कलेक्ट्रेट सहित अन्य शासकीय कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी स्वयं करें के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि शासकीय कार्यालयों में कार्यरत सभी अधिकारी, कर्मचारी हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाएं ताकि जिले व शहर के नागरिकों में संदेश पहुंचे और वह भी इस पहल से प्रेरित होकर हेलमेट पहनकर वाहन चलाएं। उन्होंने यह भी कहा है कि अब से शासकीय कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी, कर्मचारी हेलमेट पहनकर ही कार्यालय पहुंचे। अन्यथा 1 मार्च से हेलमेट नहीं पहनने वाले अधिकारी, कर्मचारियों पर चालानी कार्यवाही की जाएगी।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

रिकार्ड रूम को हाईटेक बनाने के सभी प्रयास जारी है : सक्सेना

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने कलेक्ट्रेट स्थित रिकार्ड रूम का अवलोकन किया। इस दौरान अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, संयुक्त कलेक्टर पुष्पेन्द्र अहके, ऋषभ जैन व मती शिवाली सिंह मौजूद रहे। कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि रिकार्ड रूम अपडेशन का कार्य तेजी से चल रहा है जहां रिकार्ड पूर्णत : सुरक्षित रहने के साथ जरूरत पड़ने पर आसानी से उपलब्ध भी हो जायेगा। रिकार्ड रूम को हाईटेक बनाने के सभी प्रयास जारी हैं जो शीघ्र ही कार्यरूप में परिलक्षित होगा।

सीएम हेल्प लाईन की शिकायतों का तत्परता से निराकरण करे : कलेक्टर

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों तत्परता से विभागीय अधिकारी निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को फरवरी माह के अंत तक वित्त पोषण की तमाम कार्यवाही पूरी कर ली जाए। उक्त आशय का निर्देश कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने दिए हैं। कलेक्टर सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की 50 दिवस एवं 100 दिवस की शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय पर संतुष्टि पूर्वक किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अधिकारियों द्वारा शिकायतों के निराकरण के लिए पूर्वानुसार नवाचार कर जिले की रैंकिंग सूची प्रभावित ना हों। गौरतलब हो कि सीएम हेल्पलाइन के तहत जिले में फरवरी माह व पचास दिवसों के आवेदनों की कुल संख्या 11 हजार 485 आवेदन लंबित है। जिसमें फरवरी माह के 5279 तथा पचास दिवस के 6206 शामिल हैं। सर्वाधिक आवेदन महिला एवं बाल विकास विभाग के 3903 आवेदन हैं। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिला मुख्यालय पर छह मार्च को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के सफल क्रियान्वयन की तैयारियों के संबंध में निर्देश दिए हैं कि समय पर कार्यक्रम आयोजन स्थल पर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही यह भी निर्देश दिए हैं कि प्राप्त आवेदनों की पात्रता की जांच करें। किसी भी प्रकार का फर्जी आवेदन ना हो इसके लिए निकाय व जनपद पंचायत के अधिकारी प्राप्त आवेदनों का सत्यापन कर प्रतिवेदन दिया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने लीड बैंक आफीसर को निर्देश दिए हैं कि डीएलसीसी की बैठक के बाद हितग्राही मूलक योजनाओं में वित्त पोषण के मामलों में बैंक पिछड़े ना इसके लिए सतत मानीटरिंग कर लक्ष्यों की पूर्ति नियत समय सीमा हो की पहल में कहीं चूक ना हो।

जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष ने सेवा संकल्प नर्मदा सर्वदा स्वच्छता अभियान में की सहभागिता

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। सेवा संकल्प नर्मदा सर्वदा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने आज गुरुवार को अपने जबलपुर प्रवास के दौरान तिलवारा घाट में मां नर्मदा का पूजन अर्चन एवं पौधारोपण किया। इस दौरान श्री नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुरूप जन अभियान परिषद भविष्य में शासन और समाज के सहयोग से नर्मदा तट पर कार्य करने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार कर अभियान चलाएगा। उन्होंने सेवा संकल्प नर्मदा सर्वदा अभियान को व्यापकता प्रदान करने अधिक से अधिक संख्या में सामाजिक संस्थानों को जोड़ने का प्रयास करने की बात भी कही। इस दौरान चिकित्सक एवं वरिष्ट समाज सेवी डॉ जितेन्द्र जामदार, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक प्रदीप तिवारी, विकासखण्ड समन्वयक विनायक राव वडनेरकर, सोनिया सिंह, भारत महरोलिया, संजय दुल्हानी, सरपंच ग्राम पंचायत सूखा नीतेश ठाकुर, तिलक सिंह, अमित पांडेय, डॉ मकसूद चिश्ती, चेतन जैन, श्याम चौबे, अजय पटेल, आशीष व्यास, विजय खरे एवं कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने थाना गंजबासौदा जिला विदिशा में दर्ज अपराध के फरार आरोपी की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए तीन हजार रूपए नगद इनाम देने की घोषणा की है। थाना बासौदा शहर में दर्ज अपराध प्रकरण क्रमांक 34/2025 का फरार आरोपी राजू रैकवार निवासी वार्ड नम्बर एक फीगंज गंजबासौदा थाना बासौदा की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए तीन हजार रूपए का नगद इनाम घोषित किया गया है। सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

28 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों को आवास निर्माण की दी गई तकनीकी जानकारी

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन कि निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत जिले को प्राप्त लक्ष्य को समय सीमा में पूरा करने के लिए क्लस्टर लेवल पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, ताकि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास निर्माण के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया जा सके तथा आवासों का निर्माण समय सीमा में हो सके। सम्मेलन में मकान का नक्शा लेआउट सहित चरण दर चरण निर्माण की पूरी जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में आष्टा जनपद के ग्राम खड़ी में 05 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों, भैरूंदा जनपद के ग्राम गोपालपुर में 11 ग्राम पंचायतों, सीहोर जनपद के ग्राम दोराहा में 12 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। हितग्राही सम्मेलन में हितग्राहियों को बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सीहोर जिले को 24,388 आवासों का नवीन लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस लक्ष्य के तहत सीहोर जिले में नवाचार कर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों के लिए जिले के प्रत्येक कलस्टर में हितग्राही सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। आयोजित हितग्राही सम्मेलन में हितग्राहियों एवं आमजनों को आवास योजना के बारे विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत प्रथम किस्त में प्लिंथ निर्माण के लिए 25,000 रूपये, दूसरी किस्त में दीवार चुनाई के लिए 40,000 रूपये, तीसरी किस्त में छत निर्माण के लिए 40,000 रूपये, चौथी किस्त में मनरेगा एवं मजदूरी भुगतान के लिए 35,000 रूपये की राशि प्रदान की जाती है।

नोएडा में बनेगा एक करोड़ वर्ग फिट का ओम, इसे अंतरिक्ष से भी दिख सकेंगे

नोएडा (एजेंसी)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सेक्टर-21 में एक हजार एकड़ में अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी प्रस्तावित है। पहला चरण 230 एकड़ और दूसरा चरण 670 एकड़ में बनना है। फिल्म सिटी का निर्माण करने वाली कंपनी भूटानी इंफ्रा के सीईओ आशीष भूटानी ने हिन्दुस्तान को बताया कि फिल्म सिटी के दूसरे चरण में 250 एकड़ में ओम बनाया जाएगा। यह ओम का प्रतीक इतना बड़ा होगा कि इसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकेगा। अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के लिए निर्माणकर्ता कंपनी गुरुवार को जमीन का कब्जा ले रही है। बोनी कपूर अपनी बेटी व बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर और सीईओ आशीष भूटानी के साथ जेवर पहुंचकर कब्जा लेंगे। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने पहले चरण के लिए जमीन की घेराबंदी के साथ ही किसानों की फसल को हटवा दिया है। बुधवार को दिनभर बुलडोजर और हैवी रोलर के जरिए भूमि की सफाई और उसे समतल करने का कार्य हुआ। मार्च में इसकी नींव रखने की तैयारियां चल रही हैं। प्रस्तावित फिल्म सिटी के बोर्ड लगा दिए गए हैं। यह फिल्म सिटी का मुख्य आकर्षण होगा और इसी धार्मिक मॉडल पर फिल्म सिटी का निर्माण होगा। अंतरिक्ष से दिखाई देने वाला यह दुनिया का तीसरा स्थान होगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जलाशयों और कृत्रिम नहरों का भी निर्माण किया जाएगा।

विधानसभा कार्यवाही में कांग्रेस ने नहीं लिया भाग, बाहर देते रहे धरना

नेता प्रतिपक्ष बोले-सत्ता पक्ष नहीं चाहता विपक्ष सदन में अपनी बात रखे

जयपुर (एजेंसी)। कांग्रेस विधायक ने गुरुवार भी विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लिया। कांग्रेस विधायक विधानसभा परिसर के बाहर सड़क पर धरने पर बैठे हैं। इनकी गैर मौजूदगी में ही विधानसभा में प्रश्न काल की कार्यवाही चली। विधानसभा के बाहर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जो गतिरोध सत्ता पक्ष बनाना चाहता है। वह बन रहा है। हमारी तरफ से पूरा प्रयास करने के बाद भी सत्ता पक्ष बातचीत को तैयार नहीं है। उन्होंने कल इस मामले पर सीएम से बात की थी। इससे एक दिन पहले वह संसदीय मंत्री से बात कर चुके हैं। आज तक सरकार की तरफ से गतिरोध तोड़ने को लेकर कोई प्रयास नहीं किए गए। सत्ता पक्ष घमंड में चूर है, वह नहीं चाहते थे कि विपक्ष विधानसभा में आकर अपनी बात रखे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा के मुद्दे बीजेपी की प्राथमिकता में नहीं है। इसलिए ये चर्चा करना नहीं चाहती है। मुझे पांच साल के लिए टर्मिनेट कर दो, लेकिन सदन चलने दो। उन्होंने कहा कि मैंने तो खेद भी प्रकट कर दिया। मीडिया की बातों को आधार बनाकर सदन चलाया जाएगा, अपमानित किया जाएगा तो ठीक नहीं है। उस टिप्पणी को हटाइए। मंत्री खेद प्रकट करें। अगर अध्यक्ष को तकलीफ है तो मैं खेद व्यक्त कर चुका हूं। अध्यक्ष ईगो रखने वाले व्यक्ति हैं।

दिल्ली विधानसभा परिसर में आप विधायकों को घुसने नहीं दे रही पुलिस

विपक्ष की नेता आतिशी भड़की, हुई तीखी-बहस, मांगी आर्डर की कॉपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और आप विधायक आतिशी की गुरुवार को सदन परिसर में तैनात पुलिकर्मियों से तीखी-बहस हो गई। आतिशी ने पुलिसकर्मियों से पूछा कि उन्हें सदन में प्रवेश क्यों नहीं करने दिया जा रहा है, जिस पर पुलिस ने जवाब दिया कि उन्हें स्पीकर ने आदेश दिया है कि आप विधायकों को घुसने नहीं दिया जाए इस पर आतिशी ने पुलिसकर्मियों से कहा कि आप मुझे आदेश दिखाइए।

आप बोल रहे हैं, लेकिन ऑर्डर कहां है दिल्ली विधानसभा में कैसे नहीं घुसने देंगे? आतिशी ने ट्वीट कर भी अपना विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा बीजेपी वालों ने सरकार में आते ही तानाशाही की हदें पार कर दीं। 'जय भीम' के नारे लगाने के लिए तीन दिन के लिए आम आदमी पार्टी के विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया। आज आप विधायकों को विधानसभा परिसर में घुसने भी नहीं दिया जा रहा है। ऐसा दिल्ली विधानसभा के इतिहास में कभी नहीं हुआ कि चुने हुए विधायकों को विधानसभा परिसर के अंदर नहीं घुसने दिया जा रहा है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही में आम आदमी पार्टी के 21 विधायक हिस्सा नहीं ले पा रहे हैं। आप के 22 में से 21 विधायकों को उपराज्यपाल के भाषणों के दौरान नारेबाजी करने पर निलंबित कर दिया था। एकमात्र अमानतुल्लाह खान इस कार्यवाही से बच गए, क्योंकि उस वक्त वह सदन में मौजूद नहीं थे।

मैं जन्मजात से कांग्रेसी हूं, कांग्रेस दफ्तर मेरा मंदिर है, बीजेपी में जाने की खबरें गलत है

कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सियासी अफवाहों पर लगाया ब्रेक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस का दफ्तर मेरा मंदिर है। मैं जन्मजात से कांग्रेसी हूं...मेरी व्यक्तिगत मान्यताएं नहीं बदली हैं। मैं हिंदू ही पैदा हुआ और हिंदू ही मरूंगा। यह कहना है कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु दिल्ली से लेकर बेंगलुरु तक चल रहे सियासी अफवाहों पर ब्रेक लगाने की कोशिश की। ये अफवाहें जैसे कि डीके शिवकुमार कर्नाटक का सीएम बनने के लिए आलाकमान पर दबाव डाल रहे हैं, बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं आदि। इस दौरान शिवकुमार ने महाकुंभ को लेकर कहा कि सद्गुरु जग्गी वासुदेव के आश्रम की यात्रा और हिंदुत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि वे जन्मजात कांग्रेसी हैं और बीजेपी के करीब होने की खबरें बकवास और बेबुनियाद है। उन्होंने कहा कि मैं एक कांग्रेसी के रूप में पैदा हुआ हूं मेरी व्यक्तिगत मान्यताएं वही हैं, लेकिन एक गलत कहानी फैलाई जा रही है कि मैं बीजेपी के करीब जा रहा हूं। शिवकुमार ने मीडिया में आई उन खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल से अनुरोध किया है कि वे उन्हें केपीसीसी अध्यक्ष पद पर बने रहने दें। उन्होंने कहा कि यह झूठ है, ये मनगढ़ंत खबरें हैं। ऐसी कई कहानियां गढ़ी जा रही हैं। धार्मिक हस्तियों के साथ अपने जुड़ाव को लेकर उठे विवाद का जिक्र करते हुए डीके ने कहा कि सद्गुरु मेरे घर आए और मुझे ईशा फाउंडेशन के कार्यक्रम में आमंत्रित किया। वह मैसूर से हैं और मैं उनकी बुद्धिमत्ता का सम्मान करता हूं।

दुखी मन से बोले डोनाल्ड ट्रंप- पढ़ते यहां हैं और भारत जाकर बन जाते हैं अरबपति

ट्रंप ने इमिग्रेशन पॉलिसी पर सवाल उठाए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि लोग दूसरे देशों से अमेरिका में आकर पढ़ते हैं और अपने-अपने देशों में जाकर अरबपति बन जाते हैं। नए गोल्ड कार्ड पर बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इमिग्रेशन पॉलिसी पर सवाल उठाए हैं। इस दौरान उन्होंने खासतौर से भारत के छात्रों का जिक्र किया है, जो अमेरिका में शिक्षा हासिल करते हैं। नए गोल्ड कार्ड पर बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इमिग्रेशन पॉलिसी पर सवाल उठाए हैं। इस दौरान उन्होंने खासतौर से भारत के छात्रों का जिक्र किया है, जो अमेरिका में शिक्षा हासिल करते हैं। उन्होंने कहा है कि लोग दूसरे देशों से अमेरिका में आकर पढ़ते हैं और अपने-अपने देशों में जाकर अरबपति बन जाते हैं। ट्रंप ने 50 लाख डॉलर में गोल्ड कार्ड देने की योजना शुरू की है, जिसके तहत अमेरिका की नागरिकता हासिल करने का रास्ता आसान हो जाएगा। बुधवार को ट्रंप ने मौजूदा इमिग्रेशन पॉलिसी पर सवालिया निशान लगाए हैं।

बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वाकर उज-जमान की यूनुस सरकार को दो-टूक

राजनीतिक उथल-पुथल के कारण हालात और खराब होते जा रहे है

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वाकर-उज-जमान ने देश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक उथल-पुथल के कारण हालात और खराब होते जा रहे हैं। एक सैन्य कार्यक्रम में जनरल जमान ने कहा किजो अराजकता हमने देखी है, वह हमारी खुद की बनाई हुई है। उन्होंने पुलिस बल की अक्षमता पर भी सवाल उठाए और बताया कि कई अधिकारी डर में जी रहे हैं, क्योंकि उनके साथी या तो जेल में हैं या उन पर मुकदमे चल रहे हैं। सेना प्रमुख ने कहा कि देश में राष्ट्रीय एकता और अनुशासन की सख्त जरूरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समाज में झगड़े और खून-खराबा जारी रहा तो देश की स्वतंत्रता और अखंडता खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने कहा किअगर आप आपसी मतभेद भुलाकर एक नहीं हुए और एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे, तो देश का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा।

ऑपरेशन डेविल हंट में 8,600 गिरफ्तार

बीते कुछ महीनों में बांग्लादेश में हिंसा, तोडफ़ोड़ और दंगे बढ़ गए हैं। फरवरी में हालात इतने खराब हो गए थे कि सुरक्षा बलों को ऑपरेशन डेविल हंट नाम से एक बड़ा अभियान चलाना पड़ा। इसमें 8,600 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। अंतरिम सरकार का कहना है कि ये लोग देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे थे।

बिजनेस

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

किआ इंडिया ने पेश की नई ईवी6

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में किआ इंडिया ने अपनी नई ईवी 6 का अनावरण किया। कंपनी ने घोषणा की है कि इस इलेक्ट्रिक वाहन की बुकिंग आज से शुरू हो गई है। यह वाहन किआ की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा का एक और महत्वपूर्ण कदम है। नई किआ ईवी6 सुरक्षा के नए मानक स्थापित करती है। यह वाहन कंपनी के एडॉस 2.0 पैकेज से लैस है, जिसमें 27 उन्नत सुरक्षा और ड्राइवर असिस्टेंस फीचर्स शामिल हैं। पिछले मॉडल की तुलना में इसमें 5 नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जो इसे और भी बेहतर बनाती हैं। नई किआ ईवी6 में ये उन्नत सुरक्षा फीचर्स दिए गए हैं। इनमें फ्रंट कोलिजन अवॉइडेंस असिस्ट (एफसी): शहर, पैदल यात्री, साइकिल चालक और जंक्शन टर्निंग के लिए; फॉरवर्ड कोलिजन अवॉइडेंस (एफसी): जंक्शन क्रॉसिंग और लेन चेंज असिस्ट के साथ, लेन फॉलो असिस्ट (एलएफ) वाहन को लेन में बनाए रखने के लिए, इवेसिव स्टीयरिंग असिस्ट, टक्कर से बचने के लिए शामिल हैं। ये सभी फीचर्स कंपनी के प्रमुख मॉडल ईवी9 से प्रेरित हैं और टक्कर सुरक्षा, संरचनात्मक मजबूती, और यात्रियों की सुरक्षा को और बेहतर बनाते हैं। किआ की फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी ईवी9 ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में तकनीक और नवाचार के नए मानक स्थापित कर रही है।

पोको 5जी स्मार्टफोन लांच करेगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के प्रमुख कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको अपने नए स्मार्टफोन, पोको एम7 5जी को लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है इस। इसे इस सेगमेंट में एक बड़ी पेशकश माना जा रहा है। दमदार प्रदर्शन और बेहतरीन मल्टीटास्किंग पर फोकस करते हुए, पोको एम7 5जी अपने सेगमेंट में अकेला स्मार्टफोन है, जिसमें 12 जीबी रैम (6 जीबी टर्बो रैम) और स्नैपड्रैगन0 4 जेन 2 प्रोसेसर की खूबी है। यूजर्स को शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया, पोको एम7 5जी बेहतरीन मल्टीटास्किंग, शानदार प्रदर्शन और बेजोड़ दक्षता प्रदान करता है, जो इसे अपनी श्रेणी में गेम-चेंजर बनाता है। डिवाइस का पहला लुक कल पोको इंडिया के सोशल मीडिया पर एक विशेष केवी ड्रॉप के माध्यम से पेश किया गया जिससे उत्साह काफी बढ़ गया है। पोको एम7 5जी शानदार परफॉर्मेंस, बेहतरीन मल्टीटास्किंग और पावर-पैक दक्षता सुनिश्चित करता है। लॉन्च से पहले रोमांच बढ़ाने के लिए, डिवाइस का पहला लुक कल पोको इंडिया के सोशल मीडिया हैंडल पर केवी ड्रॉप के माध्यम से पेश किया गया था। इसे 3 मार्च को लॉन्च किया जाएगा।

बजाज ने यात्रा को सुगम बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाकुंभ मेला 2025 में जहां लाखों लोग आस्था की डुबकी लगाने निकले हैं, वहीं बजाज ने 24×7 सेवा केंद्र की सुविधा के साथ उनकी यात्रा को आरामदायक बना दिया। पवित्र मौनी अमावस्या के दिन से बजाज ने थके हुए श्रद्धालुओं को मुफ्त गर्म पानी की थैलियां दीं, जिससे उन्हें कड़ाके की ठंड में जरूरी गर्माहट और आराम मिला। लगभग 1,00,000 से ज्यादा भक्तों को यह सेवा देकर, बजाज ने हर यात्रा में एक भरोसेमंद साथी होने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। इस पहल में आकर्षण का केंद्र था, बजाज पेंटाकल डिजी वॉटर हीटर, जो निरंतर गर्म पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करता है। हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन और मजबूती के साथ बना यह गीजर, बजाज के भरोसेमंद होने के वादे को पूरा करता है।

ऐमजान को 323 करोड़ रुपए का हर्जाना भरने का आदेश, दिल्ली हाईकोर्ट का कड़ा फैसला

ऐमजॉन की एक यूनिट को बेवर्ली हिल्स पोलो क्लब ट्रेडमार्क का उल्लंघन का दोषी पाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजॉन की एक यूनिट को बेवर्ली हिल्स पोलो क्लब ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने के मामले में 39 मिलियन डॉलर (करीब 323 करोड़ रुपए) का हर्जाना देने का आदेश दिया है। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह की बेंच ने पाया कि अमेजॉन अपनी वेबसाइट पर बेवर्ली हिल्स पोलो क्लब के घुड़सवार लोगो का इस्तेमाल कर रहा था। यह लोगो 2007 से भारत में रजिस्टर्ड और उपयोग में था।

अदालत की अहम टिप्पणियां

अमेजॉन के 'सिंबल' ब्रांड के तहत बेचे जाने वाले कपड़े 375 रुपए से कम कीमत में बिक रहे थे, जबकि पोलो-ब्रांडेड परिधान 2,500 से 4,500 रुपए तक में उपलब्ध होते हैं। भारी छूट की यह रणनीति ब्रांड की विशिष्टता को कमजोर कर रही थी और उपभोक्ताओं को गुमराह किया गया। 12 अक्टूबर 2020 को अमेजॉन और उसकी पूर्व विक्रेता इकाई क्लाउडटेल खिलाफ एक अंतरिम आदेश जारी किया गया था, जिसमें उन्हें इस लोगो के इस्तेमाल से रोक दिया गया था। अमेजॉन टेक्नोलॉजीज अदालत में पेश नहीं हुई, जिसके कारण एकतरफा फैसला सुनाया गया। मार्च 2023 में क्लाउडटेल के खिलाफ भी मुकदमा तय किया गया था। 85-पेज के फैसले में अदालत ने कहा कि यह उल्लंघन काफी गंभीर था और इसका प्रभाव बेहिसाब है। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उपलब्ध आंकड़ों के अभाव में फैसला ट्रेडमार्क लाइसेंसिंग समझौते के आधार पर दिया गया है

उद्योग जगत सरकार पर निर्भर रहने के बजाय प्रतिस्पर्धी बनने पर ध्यान दें : गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को उद्योग जगत को आत्मनिर्भर बनने और सरकार पर निर्भरता कम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों को सब्सिडी, उच्च आयात शुल्क और संरक्षणवादी नीतियों की बजाय अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि हम कब तक सरकार से समर्थन की उम्मीद करते रहेंगे? हमें आत्मनिर्भर होकर प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने उद्योग जगत से आग्रह किया कि वे नवाचार, उत्पादन क्षमताओं और गुणवत्ता सुधार पर ध्यान केंद्रित करें। मंत्री ने यह भी कहा कि भारत का भविष्य वैश्विक व्यापार में अधिक भागीदारी पर निर्भर करता है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि तेल, रक्षा और खाद्य क्षेत्र में कुछ हद तक आयात पर निर्भरता बनी रह सकती है। कार्यक्रम में गोयल ने मौजूदा वैश्विक स्थिति पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि हाल ही में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत फिर से शुरू हुई है और अन्य देशों के साथ भी व्यापार वार्ता जारी है।

खुदरा क्षेत्र ने 5 फीसदी वार्षिक वृद्धि की दर्ज : आरएआई

रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 58वें खुदरा व्यापार का सर्वेक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 58वें खुदरा व्यापार सर्वेक्षण के अनुसार खुदरा क्षेत्र ने जनवरी 2025 में उपभोक्ता खर्च में वृद्धि को दर्शाते हुए पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

यह सर्वेक्षण देश के विभिन्न हिस्सों में खुदरा व्यापार को प्रभावित करने वाले प्रमुख रुझानों को उजागर करता है। सर्वेक्षण से यह भी सामने आया कि पश्चिम भारत में बिक्री में सबसे अधिक वृद्धि हुई जो कि 7 प्रतिशत रही। वहीं उत्तर और दक्षिण भारत में बिक्री में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पूर्वी भारत में 4 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। आरएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कुमार राजगोपालन ने कहा कि यह सर्वेक्षण यह दर्शाता है कि जनवरी में खुदरा क्षेत्र में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खाद्य और किराना क्षेत्र में सबसे अधिक 13 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। क्यूएसआर (क्विक सर्विस रेस्टोरेंट) और सीडीआईटी (कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो उपभोक्ता खर्च में बढ़ोतरी को दर्शाता है। इसके अलावा केंद्रीय बजट 2025 में आयकर छूट सीमा 12 लाख रुपये तक बढ़ाई गई है जो पिछले साल की मंदी के बाद खुदरा विक्रेताओं को राहत प्रदान करती है।

सूर्या रोशनी ने मोनोब्लॉक पंप्स लांच किए

ग्वालियर (एजेंसी)। भारत में लाइटिंग, फैन, होम अप्लायंसेस, स्टील और पीवीसी पाइप्स के लिए मशहूर और भरोसेमंद ब्रांड सूर्या रोशनी अब जल आपूर्ति के क्षेत्र में भी नया समाधान लेकर आया है। अपने इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के जरिए कंपनी ने ऐसे पंप्स बनाए हैं, जो घरेलू और कमर्शियल दोनों तरह के इस्तेमाल के लिए बेहतरीन हैं।

सूर्या रोशनी के ये नए मोनोब्लॉक पंप्स 1.0 एचपी और 0.5 एचपी के वेरिएंट में उपलब्ध हैं, जो घरों, गार्डन, होटलों और छोटे बिज़नेस के लिए उपयोगी हैं। इन पंप्स को इस तरह डिजाइन किया गया है कि ये लगातार सही जल प्रवाह और दबाव बनाए रखें। यह 8 मीटर तक की ऊंचाई तक पानी खींच सकते हैं और इनमें सेल्फ-प्राइमिंग फीचर दिया गया है, जिससे इन्हें इस्तेमाल करना बेहद आसान हो जाता है। लॉन्च के मौके पर सूर्या रोशनी के सीईओ - लाइटिंग और कंज़्यूमर ड्यूरेबल्स, जितेंद्र अग्रवाल ने कहा कि हम हमेशा ऐसे प्रोडक्ट्स बनाने पर जोर देते हैं जो ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ उनके अनुभव को और भी बेहतर बनाएं। हमारी नई मोनोब्लॉक पंप्स रेंज इस दिशा में एक बड़ा कदम है। हमने इन पंप्स को इस तरह से डिजाइन किया है कि ये टिकाऊ, ऊर्जा-कुशल और आसानी से इस्तेमाल किए जा सकें, ताकि घरों और व्यवसायों के लिए यह एक भरोसेमंद विकल्प साबित हों। ये पंप्स न सिर्फ बिजली की बचत करने में मददगार हैं, बल्कि इनका संचालन भी आसान है। 160वी से 280बी तक की विस्तृत वोल्टेज रेंज में काम करने की क्षमता इन्हें अलग-अलग विद्युत स्थितियों के अनुकूल बनाती है, जिससे बिजली कटौती या लो वोल्टेज जैसी समस्याओं में भी यह बेहतर प्रदर्शन कर सकें। रस्ट-फ्री स्टील शाफ्ट, मजबूत एल्युमिनियम बॉडी और बैलेंस्ड रोटर इन पंप्स को ज्यादा टिकाऊ और प्रभावी बनाते हैं।

इन्वेस्टमेंट समिट्स में भारत को मिले 100 लाख करोड़ से ज्यादा निवेश प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में विभिन्न राज्यों द्वारा आयोजित इन्वेस्टमेंट समिट्स में जनवरी-फरवरी 2025 के दौरान 97 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 26.61 लाख करोड़, जबकि ओडिशा के उत्कर्ष ओडिशा कॉन्क्लेव में 12.89 लाख करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई। अब तक कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, केरल और असम समेत छह राज्यों में 60.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं। दिसंबर 2024 में राजस्थान और बिहार ने भी बड़े निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। इस बार निवेश का फोकस सौर ऊर्जा, पवन टरबाइन, हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर, लिथियम-आयन बैटरी और सेमीकंडक्टर जैसे उभरते क्षेत्रों पर है। साथ ही, पारंपरिक सेक्टर पेट्रोकेमिकल, ऑटोमोबाइल, स्टील, खनन और सीमेंट में भी निवेश जारी है। भारत सरकार राज्यों को निवेश-अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, जिससे भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने का लक्ष्य पूरा किया जा सके।

भारत में टेस्ला की एंट्री से पहले तगड़ा झटका, टॉप 10 कंपनियों की लिस्ट से बाहर, मार्केट कैप भी गिरा

कंपनी ने भारत में भर्ती शुरू कर दी है और अप्रैल में अपनी इलेक्ट्रिक कार लॉन्च कर सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की ऑटो कंपनी टेस्ला भारत में एंट्री की तैयारी कर रही है। कंपनी ने भारत में भर्ती शुरू कर दी है और अप्रैल में अपनी इलेक्ट्रिक कार लॉन्च कर सकती है। दिल्ली और मुंबई में शोरूम खोलने की भी योजना है। हालांकि, भारत आने से पहले टेस्ला को तगड़ा झटका लगा है। बुधवार को कंपनी के शेयरों में 3.96प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे नवंबर के बाद पहली बार उसका मार्केट कैप .1 ट्रिलियन से नीचे गिरकर 935.36 अरब रह गया। इसके साथ ही टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों की टॉप 10 लिस्ट से बाहर हो गई है। जनवरी में यूरोप में टेस्ला की बिक्री में 45 फीसदी गिरावट आई है। दो साल के शानदार विकास के बाद यूरोप में टेस्ला की बिक्री करीब आधी रह गई है। इससे यूरोप में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 15प्रतिशत से घटकर केवल 6प्रतिशत रह गई। यह गिरावट खासतौर पर चिंताजनक है क्योंकि यूरोप टेस्ला के प्रमुख बाजारों में से एक रहा है। जर्मनी में कंपनी की बिक्री में 60प्रतिशत गिरावट आई है जबकि फ्रांस में यह 63प्रतिशत गिरी है। इसी तरह यूके में कंपनी की बिक्री में 8 प्रतिशत गिरावट आई है। साथ ही कैलिफोर्निया में भी वह बिक्री के मामले में जापान की होंडा और साउथ कोरिया की हुंडई से पिछड़ती जा रही है। टेस्ला की मौजूदा स्थिति निवेशकों को परेशान कर रही है।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेंगे ऑस्ट्रेलिया-अफगानिस्तान

ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए आसान नहीं होगा अफगानिस्तान के हराना

लाहौर (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम शुक्रवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए हालांकि ये इतना आसान नहीं होगा क्योंकि अफगानिस्तान टीम ने जिस प्रकार से इंग्लैंड को हराया है उससे पता चलता है कि अब वह दूसरे दर्जे की टीम नहीं रही। अफगान टीम ने पहले भी आईसीसी टूर्नामेंटों में कई बड़ी टीमों को हराया है। जिसको देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम उसे हल्के में लेने की भूल नहीं करेगी। अफगानिस्तान का लक्ष्य भी इस मैच में जीत का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा। उसने इंग्लैंड के खिलाफ 300 से अधिक रन बनाकर मैच जीता है। उसने पिछले साल हुए टी20 विश्व कप में भी सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। ऐसे में ये मैच रोमांचक होना तय है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया का बल्लेबाजी क्रम भले ही बेहद मजबूत हो पर उसे अपने तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की कमी खलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले मैच में इंग्लैंड को हराया था। दो बार की पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 15 साल के बाद चैंपियन्स ट्रॉफी का खिताब फिर से जीतना चाहेगी। टीम ने 2006 और 2009 में लगातार दो खिताब जीते पर साल 2013 और 2017 में वह फाइनल में नहीं पहुंची जिसके बाद इस प्रतियोगिता का आयोजन बंद कर दिया गया। शीर्ष तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया जानता है कि उसकी ताकत बल्लेबाजी में है। टीम के पास ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी हैं जो विरोधी गेंदबाजी आक्रमण को बिखेरने में सक्षम हैं। नियमित खिलाड़ियों की अनुपस्थिति ने कंगारु टीम को कमजोर किया है लेकिन इसने युवा खिलाड़ियों को प्रभावित करने, टीम में अपनी जगह पक्की करने का अवसर है जिसका वह लाभ उठाना चाहेंगे। उसके पास अच्छे बल्लेबाज हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान बेन ड्वार्शुइस, स्पेंसर जॉनसन, नाथन एलिस और एडम जंपा के पास रहेगी। ये जानते हैं कि आगे बढ़ने इस मैच में जीत जरुरी है। ड्वार्शुइस और जॉनसन हालांकि पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। ऐसे में इनका लक्ष्य इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। जम्पा के रूप में टीम के पास एक अनुभवी स्पिनर है जो पाक के हालातों का लाभ उठा सकता है।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया –स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा।

अफगानिस्तान – हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

युवा खिलाड़ी सफलता के लिए मेहनत करते हुए निराशा से बचें : पीवी सिंधु

मेरे अंदर उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता

मुंबई (एजेंसी)। महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु ने कहा है कि युवा खिलाड़ियों को सफलता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत ओर अनुशासन पर ध्यान देना चाहिये। सिंधु ने कहा कि उन्हें निराशा को दूर रखते हुए उत्साही और जुनूनी बनना चाहिये। सिंधु ने कहा कि मेरे अंदर अभी भी उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भूख है। सिंधू ने कहा कि भले ही निराशा और थकान के कई दिन हों पर एक खिलाड़ी को अनुशासन नहीं खोना चाहिए क्योंकि कोई नहीं जानता कि मैदान पर यह कब उसके काम आ जाए। दो ओलंपिक पदक विजेता इस खिलाड़ी कहा है कि आपको यह उम्मीद रखनी चाहिए कि आपको वहां टिके रहना है और आपको इसे हर एक दिन करते रहना है और यह एक दिन सामने आएगा जब आपकों सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोग कह सकते हैं कि आपके पास सब कुछ है, आपको और क्या चाहिए ? पर मुझे लगता है कि खेल के प्रति जुनून मेरे अंदर अब भी है इसी कारण मैं और बेहतर कर सकती हूं। सिंधु ने कहा कि ये जीत मुझे बहुत आत्मविश्वास देती हैं और अगले स्तर पर जाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं इसलिए मैं कहती हूं कि हर दिन एक नया दिन है और हर दिन एक प्रक्रिया है। भले ही कुछ दिन खराब बीते हों पर यह जरुरी है कि आप उन्हें जाने दें तथा और भी अधिक मजबूत होकर वापसी करें। साथ ही कहा कि ट्रेनिंग की कठोरता, निराशा के साथ-साथ सफलता का सामना करना एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है और एक खिलाड़ी को इससे हमेशा ही जुड़े रहना चाहिए।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम वापस लिया : मिशेल स्टार्क

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्टार्क ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी रिं केट टूर्नामेंट से बाहर रहने का कारण बताया

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर रहने का कारण बताया है। स्टार्क ने कहा कि जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए फिटनेस बनाये रखने के लिए उन्होंने चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम वापस लिया है।

स्टार्क को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम में जगह मिली थी पर जब अंतिम टीम घोषित हुई तो उसमें स्टार्क का नाम नहीं था। तब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा था कि स्टार्क ने निजी कारणों से अपना नाम वापस लिया है। वहीं अब स्वयं इस तेज गेंदबाज ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया के लिए जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तरोताजा रहना चाहते हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि इसके कुछ अन्य कारण भी हैं। टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें टखने में थोड़ा दर्द हुआ था, जिससे उबरने के लिए उन्हें समय चाहिये था। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और उसके बाद वेस्टइंडीज का दौरा भी करना है। बीच में आईपीएल क्रिकेट मुकाबले भी हैं पर उनकी नजरें डब्ल्यूटीसी फाइनल पर टिकी हैं। इससे साफ है कि स्टार्क मोटी धनराशि कमाने आईपीएल में भी नजर आयेंगे।

भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने में शायद ही कोई परेशानी आये : लालचंद

रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच लालचंद राजपूत ने कहा है कि रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी। इस पूर्व कोच के अनुसार भारतीय टीम विरोधियों को जरा भी राहत नहीं देते हुए निर्ममता से प्रहार करती है जिससे कारण ही वह जीत की प्रबल दावेदार बनकर उभरी है। साल 2007 में हुए पहले टी20 विश्व कप में कोच रहे इस पूर्व क्रिकेटर को लगता है कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में कोई परेशानी नहीं आयेगी। राजपूत ने कहा कि भारतीय टीम बेहद आक्रामक नजर आ रही है। वह हर मैच में अपना दबाव बना कर आसान जीत हासिल करना चाहती है। वह विरोधी टीम को मैच में वापसी करने का कोई अवसर नहीं दे रही। यही सही रवैया है। भारतीय टीम जिस तरह से खेल रही है उससे मुझे यही लगता है कि उसे आसानी से जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ कठिन हालात में शतक लगाकर शानदार तरीके से फॉर्म में वापसी की है। ऐसे में अब टीम कप्तान रोहित शर्मा से भी इसी प्रकार का धमाकेदार प्रदर्शन चाहती है। उन्होंने कहा कि विराट शतक लगा चुके हैं और अब भारत का हर क्षेत्र में मजबूत है। अब केवल रोहित से बड़े शतक की दरकार है।

लिवरपूल ने न्यूकैसल यूनाइटेड को हराकर प्रीमियर लीग में बनाई 13 अंकों की बढ़त

लिवरपूल ने बुधवार रात एंफील्ड में न्यूकैसल यूनाइटेड को 2-0 से हराया

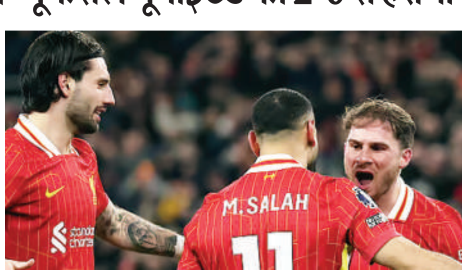

नई दिल्ली (एजेंसी)। लिवरपूल ने बुधवार रात एंफील्ड में न्यूकैसल यूनाइटेड को 2-0 से हराकर प्रीमियर लीग में अपनी बढ़त 13 अंकों तक बढ़ा ली। डोमिनिक स्ज़ोबोस्ज़लाई और एलेक्सिस मैक एलिस्टर के गोल ने लिवरपूल को यह जीत दिलाई, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद आर्सेनल नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ ड्रॉ खेलने के कारण और पिछड़ गया। बारिश के बावजूद लिवरपूल ने शानदार खेल दिखाया और जल्दी ही बढ़त बना ली। टीम के लिए इस सीजन का 100वां गोल स्ज़ोबोस्जलाई ने किया, जो उनका सातवां गोल था। मैच में दोनों टीमों ने तेज प्रसास किया और यह आक्रामक खेल के साथ जारी रहा। लिवरपूल की रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान सिमिकास ने पेनल्टी क्षेत्र के अंदर दाहिने पैर से जोरदार शॉट मारा, जो गोल के ऊपर से चला गया। जबकि न्यूकैसल के कालम विल्सन को गोल करने का बेहतरीन मौका मिला, लेकिन वह गेंद को सही दिशा में नहीं मार सके। हाफ टाइम से पहले लिवरपूल के लिए सोबोस्लाई और मोहम्मद सालाह ने भी गोल करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में चोटों के कारण खेल कई बार रुका, लेकिन लिवरपूल ने मिले मौके का पूरा फायदा उठाया। मैक एलिस्टर ने न्यूकैसल के डिफेंस से गेंद छीनी और कुछ पास खेलने के बाद 63वें मिनट में शानदार शॉट लगाकर गोल कर दिया। इस गोल में सालाह की भी अहम भूमिका रही, जिन्होंने सही समय पर उन्हें पास दिया।

आईएमएल का दूसरा चरण वडोदरा में, क्रिकेट प्रेमियों को मिलेगा रोमांचक अनुभव

बीसीए स्टेडियम में 30,000 से अधिक फैन्स के लिए बेहतरीन क्रिकेट अनुभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) स्टेडियम इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) के दूसरे चरण की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। इसकी शुरुआत नवी मुंबई में हुई जहां एक्शन से भरपूर मुकाबले देखने को मिल रहे है। अबतक फैन्स को शेन वॉटसन का शतक, हाई-स्कोरिंग मैच, रोमांचक फिनिश और छक्कों की बौछार और इसके अलावा बहुत कुछ देखने को मिला है और अब यही सिलसिला वडोदरा में भी जारी रहेगा।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का दूसरा चरण 28 फरवरी, 2025 (शुक्रवार) को वडोदरा में शुरू होगा। और पहले दिन कुमार संगकारा की अगुआई वाली श्रीलंका मास्टर्स और शेन वॉटसन की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स का मुकाबला होगा। इस मैच के बाद 1 मार्च को एक धमाकेदार मुकाबला होगा, जिसमें भारत रत्न सचिन तेंदुलकर के नेतृत्व वाली इंडिया मास्टर्स और जैक कैलिस की अगुआई वाली साउथ अफ्रीका मास्टर्स के बीच मुकाबला होगा। यह मुकाबला अविस्मरणीय होने का वादा करता है। अत्याधुनिक बीसीए स्टेडियम खिलाड़ियों, मीडिया और दर्शकों के लिए बेहतरीन सुविधाओं से सुसज्जित है। यह स्टेडियम 30,000 से अधिक फैन्स की मेजबानी के लिए तैयार है, जिन्हें एक बार फिर क्रिकेट के दिग्गजों को मैदान पर उतरते देखने का मौका मिलेगा।

बेंच स्ट्रेंथ की कमी के कारण के कारण नीचे जा रहा पाकिस्तान क्रिकेट : सुनील गावस्कर

भारत की दूसरे दर्जे की टीम भी पाकिस्तान पर भारी पड़ेगी गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि पाकिस्तान की टीम इस समय भारत की दूसरे दर्जे की टीम भी हरा नहीं सकती है। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि भारत की बी टीम भी पाक टीम को संघर्ष पर मजबूर कर सकती है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पाक टीम का फार्म अभी काफी खराब चल रहा है। पाक टीम अपनी ही धरती पर हो रहे चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पायी है। उसे अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में उसे न्यूजीलैंड जबकि दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हराया। साल 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद भी पाक क्रिकेट लगातार नीचे आता रहा है। टीम पिछले दो एकदिवसीय विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि बेंच स्ट्रेंथ की कमी के कारण हो रहा है। पाक में हमेशा से ही प्राकृतिक प्रतिभा रही है। प्राकृतिक इस तरह कि भले ही वे तकनीकी रूप से सही नहीं थे पर उनके पास बल्ले और गेंद की सहज समझ थी। गावस्कर ने कहा, इंजमाम-उल-हक को देखें। अगर आप उनके रुख को देखें, तो आप किसी युवा बल्लेबाज को ऐसा करने की सलाह नहीं देंगे पर उनका स्वभाव बहुत अच्छा था। इस तरह के स्वभाव के साथ उन्होंने किसी भी तकनीकी कमी को पूरा किया। गावस्कर ने यह भी कहा कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) और घरेलू व्हाइट-बॉल टूर्नामेंट के बावजूद गुणवत्ता वाले खिलाड़ी तैयार करने के लिए असफल रहा है। उन्होंने कहा, भारत में व्हाइट-बॉल क्रिकेट में इतने सारे युवा सितारे आईपीएल की वजह से निकले हैं। वहां से खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी और अंतत: भारत के लिए खेलने गए हैं। यह कुछ ऐसा है जिसका पाकिस्तान क्रिकेट को आंकलन करना चाहिए।

शोएब अख्तर बोले पाकिस्तान क्रिकेट में प्रतिभा की कमी

पाक में प्रतिभाएं नहीं हैं, अगर वह होती तो सामने आतीं

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टीम की खराब हालत को लेकर कहा है कि देश में प्रतिभाएं नहीं हैं क्योंकि अगर वह होती तो सामने आतीं। पाक टीम अपनी ही धरती पर हो रहे चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पायी है। पाकिस्तान ने साल 2017 में हुआ संस्करण जीता था पर इस बार उसका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। उसे दोनो ही मुकाबलों में हार कस सामना करना पड़ा है। पहले मुकाबले में उसे न्यूजीलैंड जबकि दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने हराया। वहीं पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज ने कहा कि देश में काफी प्रतिभा है लेकिन योजना की कमी है। इस पर अख्तर ने पूछा कि पाक क्रिकेट में प्रतिभा कहां है, वहीं अगर है तो दिखाओ उन्होंने कप्तान मोहम्मद रिजवान को लेकर कहा कि उसमें कौन सी प्रतिभा दिख रही है। अगर होती तो दिख जाती, इस प्रकार हमें टीम की आलोचना नहीं करनी पड़ती। आपको अपने खेल को बोलने देना होगा, शब्दों से नहीं अपने प्रदर्शन से। उन्होंने आगे कहा कि मैं 20 साल से सुन रहा हूं कि देश में काफी प्रतिभ है पर आज तक कोई सामने नहीं आयी।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर वडोदरा में पुनित, दिव्यांशी विजेता बने

वडोदरा (एजेंसी)। पुनित विश्वास ने डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर वडोदरा में बृहस्पतिवार को यहां साहिल रावत को 3-2 से हराकर अंडर 17 लड़कों का खिताब जीता, जबकि दिव्यांशी भौमिक ने खराब शुरुआत से उबरते हुए जेनिफर वर्गीज को 3-1 से हराकर लड़कियों के वर्ग में जीत हासिल की। लड़कियों के अंडर 13 वर्ग में तनिष्का कालभैरव ने उच्च रैंकिंग वाली आराध्या ढींगरा को 3-0 से हराया, जबकि प्रतीक तलसानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रिशान चट्टोपाध्याय (3-0) के खिलाफ खिताब मुकाबला अपने नाम किया। इससे पहले अंडर-19 मिश्रित युगल स्पर्धाओं में तनीषा कोटेचा और प्रीयेश सुरेश ने सेमीफाइनल में अंकुर भट्टाचार्य और पृथा वर्तिकार की जोड़ी को हराया। फाइनल में उनका मुकाबला जेनिफर वर्गीस और बालामुरुगन राजकेसरन की जोड़ी से होगा।

पीएफएफ कांग्रेस ने संवैधानिक संशोधनों को मंजूरी दी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) कांग्रेस ने अपने संविधान में संशोधन को मंजूरी दे दी है जिससे फीफा द्वारा देश में फुटबॉल संचालन को लेकर लगाए गए निलंबन हट सकते हैं। पीएफएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी साकिब बलूच ने पुष्टि की कि कांग्रेस सदस्य इन संवैधानिक परिवर्तनों को लागू करने के लिए बृहस्पतिवार को आम सहमति पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और बैठक के विवरण विश्व निकाय को भेजे जाएंगे। फीफा ने कहा है कि पाकिस्तान फुटबॉल पर निलंबन तभी हटाया जाएगा जब संविधान में संशोधन किए जाएंगे। फीफा ने इस महीने की शुरुआत में पीएफएफ को निलंबित कर दिया था क्योंकि कांग्रेस सदस्यों ने संशोधन करने से इनकार कर दिया था जिसे फीफा ने पाकिस्तान में इस खेल के सुचारू और न्यायपूर्ण शासन के लिए आवश्यक माना था। विश्व निकाय ने कहा कि पीएफएफ कांग्रेस द्वारा संशोधन किए जाने तक पाकिस्तान निलंबित रहेगा। कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा कि सदस्यों ने संशोधन करने का फैसला इसलिए भी किया क्योंकि निलंबन के कारण फीफा ने पीएफएफ को आवंटित सभी अनुदान और विकास निधि रोक दी थी।

शौर्य भट्टाचार्य ने 61 के शानदार कार्ड के साथ पांच शॉट की बढ़त बनाई

रायपुर (एजेंसी)। दिल्ली के गोल्फर शौर्य भट्टाचार्य ने एक करोड़ रुपये इनामी राशि वाले छत्तीसगढ़ ओपन के तीसरे दिन बृहस्पतिवार को यहां आठ अंडर 61 के शानदार कार्ड के साथ तालिका में शीर्ष पर पांच शॉट की बढ़त कायम कर ली है। पिछले साल पीजीटीआई में अपने शुरुआती वर्ष पर चैम्पियन बने 22 साल के भट्टाचार्य (64-61-61) कुल 21-अंडर 186 के स्कोर के साथ संयुक्त दूसरे से शीर्ष स्थान पर पहुंच गये हैं। उन्होंने अपने आखिरी नौ होल में छह बर्डी लगाये। श्रीलंका के एन थंगराजा (66-63-62) ने 62 का कार्ड खेला और वह 16-अंडर 291 के स्कोर के साथ 13 स्थान का सुधार कर संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए। दूसरे दौर के बाद तालिका में शीर्ष पर रहे खलिन जोशी (64-60-67) अब थंगराजा के साथ दूसरा स्थान साझा कर रहे हैं। अपना तीसरा पेशेवर मैच खेल रहे बेंगलुरू के सोलह वर्षीय एस.मनोज (65) फरीदाबाद के अभिनव लोहान (64) और बेंगलुरू के एम धर्मा (66) के साथ 15-अंडर 192 के स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर है। अनुभवी खिलाड़ियों में उदयन माने (64) 14-अंडर 193 के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं जबकि ओम प्रकाश चौहान (65) 10-अंडर 197 के साथ संयुक्त 24वें स्थान पर हैं।

विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में केरल के तीन विकेट पर 131 रन

नागपुर (एजेंसी)। आदित्य सरवटे के नाबाद 66 रन की मदद से केरल ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में विदर्भ के पहली पारी के 379 रन के जवाब में दूसरे दिन बृहस्पतिवार को तीन विकेट पर 131 रन बना लिये। केरल की टीम अभी भी पहली पारी में 248 रन पीछे है। स्थानीय सितारे सरवटे ने उम्दा पारी खेलकर केरल को मजबूत स्कोर की नींव दी जबकि गेंदबाजों ने इससे पहले विदर्भ को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। पहले दिन चार विकेट पर 254 रन बनाने वाली विदर्भ टीम की नजरें 450 के आसपास के स्कोर पर थी लेकिन केरल के गेंदबाजों ने उसे 400 के भीतर रोक दिया। विदर्भ के लिये दानिश मालेवार ने 153 और करूण नायर ने 86 रन बनाये। दूसरे दिन पहले सत्र में केरल के गेंदबाजों ने अपनी लय कायम रखी। तेज गेंदबाज एम डी निधीश ने 61 रन देकर और ईडन एपल टॉम ने 102 रन देकर तीन तीन विकेट लिये। एन एम बासिल को दो विकेट मिले। बासिल ने मालेवार की पारी का अंत करके सुबह केरल को पहली सफलता दिलाई। मालेवार ने 285 गेंद में 153 रन बनाये जिसमें 15 चौके और तीन छक्के शामिल हैं। विदर्भ को सबसे बड़ा झटका फॉर्म में चल रहे यश राठौड़ के विकेट के रूप में लगा जो तीन रन बनाकर ईडन की गेंद पर स्लिप में कैच देकर लौटे। विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर 23 रन बनाकर ईडन की आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर विकेटकीपर मोहम्मद अजहरूद्दीन को कैच थमा बैठे। विदर्भ के लिये अब नयी गेंद से विकेट लेना जरूरी था और दर्शन नालकंडे ने दो शुरूआती विकेट चटकाये।

2028 ओलंपिक की तैयारियों के सात मार्च से तीन दिवसीय चिंतन बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारियों का खाका तैयार करने के लिये सात मार्च से हैदराबाद में तीन दिवसीय चिंतन बैठक का आयोजन किया जायेगा। खेलमंत्री मांडविया ने यहां मीडिया से कहा, '' 2028 ओलंपिक को ध्यान में रखकर तैयारियों की रणनीति तय करने के लिये हैदराबाद के कान्हा शांति वन में सात से नौ मार्च तक चिंतन बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें सभी राज्यों के खेलमंत्री, भारतीय ओलंपिक संघ के सदस्य, चुनिंदा राष्ट्रीय खेल महासंघों के पदाधिकारी और विशेषज्ञ शामिल होंगे। विशेषज्ञों में एलीट पूर्व और मौजूदा खिलाड़ी भी होंगे। खेलमंत्री ने यह भी कहा कि उनका फोकस देश में खेलों के सतत आयोजन पर है जिसके लिये चुनिंदा केंद्रों को खेल विशेष का केंद्र बनाया जायेगा। उन्होंने कहा, '' मैं कम से कम पंद्रह खेलों का एक कैलेंडर बनाना चाहता हूं। कोशिश यही है कि देश में साल भर कोई न कोई खेल आयोजन होता रहे और इन सतत खेलों से प्रतिभायें निकलकर आयें।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

किसान कल्याण मिशन बनेगा खेती को लाभ का धंधा बनाने का माध्यमः एदल सिंह कंषाना

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि किसान कल्याण मिशन अंतर्गत किसानों की आय में वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह मिशन कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने का प्रमुख माध्यम बनेगा। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा प्राकृतिक कृषि के प्रसार एवं किसानों को प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश प्राकृतिक कृषि विकास बोर्ड का गठन किया गया है। प्राकृतिक खेती कर रहे एवं प्राकृतिक खेती के इच्छुक राज्य के किसानों के पंजीयन के लिए पोर्टल प्रारंभ किया गया है।पोर्टल पर प्राकृतिक खेती करने के इच्छुक कुल 72 हजार 967 किसानों ने पंजीयन करवाया है। प्रत्येक पंचायत में पीएम किसान समृद्धि केन्द्र की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 81 लाख से अधिक किसानों को गत वर्ष चार हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि का अंतरण किया गया है। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में किसानों को एक हजार रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 3 हजार 900 रुपये प्रति हेक्टेयर की सहायता दी जा रही है। शून्य प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालीन फसल ऋण के लिए इस वर्ष 600 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। विगत वर्ष में किसानों को समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूँ पर प्रति क्विंटल 125 रुपये का बोनस प्रदाय किया गया।

स्मार्ट मीटर योजना की सफलताएं जबलपुर, भोपाल को बताई जाएंगी

मप्र प.क्षे.वि.वि.कं. के चेयरमैन अविनाश लवानिया का इंदौर दौरा

भोपाल। स्मार्ट मीटर योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ने इस क्षेत्र में काफी अच्छा कार्य किया हैं, पश्चिम क्षेत्र में स्मार्ट मीटर की सफलता की जानकारी जबलपुर, भोपाल बिजली कंपनी को दी जाएगी। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पदेन चेयरमैन एवं पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध निदेशक अविनाश लवानिया ने बताया कि जल्द ही शासकीय कार्यालयों, परिसरों में प्राथमिकता से स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, ताकि शासकीय कार्यालयों की बिजली वितरण व्यवस्था प्रीपेड की जा सके। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सभागार में गुरुवार को हुई मीटिंग में लवानिया ने कहा कि इंदौर क्षेत्र हर कार्य में आगे रहता हैं, हर बार सफलता प्राप्त करता हैं, इंदौर के अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने उपभोक्ता सेवाओं, मीटरीकरण, बिजली आपूर्ति, राजस्व संग्रहण, मानव संसाधन, आरडीएसएस समेत अन्य कार्यों, सेवाओं की जानकारी ली। एमडी लवानिया ने कहा कि स्मार्ट मीटर के एबलेशन की वरिष्ठ अधिकारियों से की जाने वाली प्रति परीक्षण की सूची मुख्यालय से रेंडम आधार पर दी जाए। लवानिया ने स्मार्ट मीटर की खासियतें उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रचार माध्यमों से बताए जाने एवं स्मार्ट मीटर की टीम द्वारा चोरी एवं अनियमितताओं के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा की। लवानिया ने पश्चिम क्षेत्र कंपनी के निदेशक मंडल की मिटिंग में भाग लिया, विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

राष्ट्र गीत एवं राष्ट्र गान 3 मार्च को मंत्रालय के सरदार पटेल पार्क में होगा

भोपाल। मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र गीत 'वन्दे मातरम' एवं राष्ट्र गान 'जन गण मन' का गायन 3 मार्च को प्रात:11 बजे किया जाएगा। 1 एवं 2 मार्च को शासकीय अवकाश होने के कारण राष्ट्र गीत एवं राष्ट्र गान का आयोजन 3 मार्च को होगा। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्र गीत एवं राष्ट्र गान का आयोजन पटेल पार्क में किया जाता है।

सड़क हादसे में घायल मजदूर ने पांच दिन बाद तोड़ा दम

भोपाल। शहर के इलाके के चौराहे पर एक मजदूर सड़क हादसे में घायल मज़दूर को डॉयल-100 की मदद से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 5 दिन चले उपचार के बाद उसकी मौत हो गई। घटना 22 फरवरी की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, राजकुमार पुत्र रातचरण (30) कोलार कॉलोनी में रहता था। वह मजदूरी करता था। 22 फरवरी की रात चुनाभट्टी चौराह पर वह पुलिस को घायल अवस्था में मिला था। उसने पुलिस को बताया था, कि किसी वाहन की टक्कर से घायल हुआ है। डॉयल 100 की मदद से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान बीते दिन उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

सवालों के घेरे में सोम कंपनी की एक्सपायरी बियर का नष्टीकरण

आबकारी विभाग की कथित कार्यवाई पर सुलगते सवाल

15 करोड़ कीमती बियर को 4 करोड़ में बदलने का आरोप

भोपाल/रायसेन। हमेशा ही विवादों में घिरी रही शराब निर्माता कंपनी सोम एक बार फिर आबकारी विभाग की मिलीभगत से घिरती नजर आ रही है। दरअसल छत्तीसगढ़ के वेयरहाउस में 6 महीने से ज्यादा की मैन्युफैक्चरिंग होने के आधार पर एक्सपायर हो जाने से 55 हजार पेटी बियर सोम द्वारा द्वारा वापस लाई गई थी। जिसकी सूचना मध्य प्रदेश आबकारी को बिना दिए फैक्ट्री परिसर में भी रखवाई गई थी।

सूत्रों की माने तो छत्तीसगढ़ में ईडी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के छापे से जिस बड़े आबकारी घोटाले का पर्दाफाश हुआ था, (जिसमें पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा पिछले दिनों ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जा चुके हैं) से यह शराब संबंधित है। जिसके अनुसार छत्तीसगढ़ कॉरपोरेशन की मिलीभगत का भंडाफोड़ होने पर सोम की यह बीयर वहां रखी एक्सपायर हो गई। जिसे गलत तरीके से वापस सोम फैक्ट्री बुलाया गया। इसके बाद इस अवैध कृत्य के लिए सोम आसवनी पर कोई वैधानिक कार्यवाही अथवा बड़ा जुर्माना किए बगैर नष्टीकरण के लिए 9 – 10 महीने का समय लिया गया। यह 9 – 10 महीना का समय लिया ही इसलिए गया कि इस शराब को डिस्पोज करने का आसावक को समय मिल जाए। उल्लेखनीय है कि सोम अपने अलग-अलग एम्पलाइज के

नाम पर रिटेल कारोबार भी करता है। सूत्रों की माने तो रिटेल दुकानों के माध्यम से इस 55,000 पेटी एक्सपायर बियर को अवैध तरीके से अपनी रिटेल दुकानों के माध्यम से बेचा गया और 9- 10 महीने बाद विभाग के अधिकारियों से मिलीभगत करके कागज पर इसका नष्टीकरण दिखाया गया। एक पेटी में करीब 8 लीटर शराब (बियर) होती है। इस तरह 4.5 लाख लीटर शराब हुई। 4.50 लाख लीटर शराब का नष्टीकरण फैक्ट्री परिक्षेत्र के भीतर किया गया जो संभव ही नहीं था। सेहतगंज गांव स्थित फैक्ट्री के ठीक पीछे रोजरचक बस्ती है। जहां आसवन के नष्टीकरण करने का बताया गया है। इतनी बड़ी मात्रा में एक्सपायर हो चुके बियर के डिस्पोजल से बस्ती को डूब जाना चाहिए था? फैक्ट्री के आजू-बाजू में खेत हैं जहां फसल बोई गई है क्या वह फसल खेत डूब में नहीं आ गए होंगे? और इतनी बल्क में फैक्ट्री के अंदर ही नष्टीकरण की कार्यवाई हुई? नष्टीकरण की कार्यवाही में नियम और प्रचलित परंपरा अनुसार नष्टीकरण समिति बनाई जाती है। उक्त शराब नष्टीकरण में मात्र आसवक और आबकारी विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में नष्टीकरण संपन्न कराया गया ऐसा आरोप है।सामान्यत: 100 दो सौ बोतलों को नष्ट करते समय भी मीडिया को कवरेज के लिए बुलाया जाता है।

आरोप है कि उक्त नष्टीकरण कार्यवाही में मीडिया को नहीं बुलाया गया तथा नष्टीकरण कार्यवाही मीडिया की अनुपस्थिति में की गई।जो फोटो और वीडियो जारी किए गए उससे प्रतीत होता है कि कुछ सौ पेटीयो को ही रोलर के नीचे दबाकर नष्ट किए जाने की कार्यवाही की गई। शेष पेटियां कहां है कुछ स्पष्ट नहीं है।

15 करोड रुपए की शराब कैसे बदली 4 करोड़ में?

बियर की कीमत 4 करोड़ के लगभग बताई गई है जबकि वास्तविक कीमत 15 करोड़ है। सोम की हंटर ब्रांड बियर की मार्केट वैल्यू 250 रुपए प्रति बोतल के करीब है। यदि औसत एक बोतल की कीमत 200 रुपया मान लिया जाए तो एक पेटी में 2400 रुपया, इस तरह 55,000 पेटी शराब की कीमत 13.20 करोड़ रुपया होती है। विभाग ने जानबूझकर नष्टीकरण की गई बियर की कीमत को आधे से भी कम दिखाया गया।55,000 पेटी शराब सोम की बियर फैक्ट्री के गोदाम में रखी गई थी। इतनी बड़ी मात्रा को इतने कम समय में नष्टीकरण हेतु नष्टीकरण साइट पर ले जाने के लिए कई सौ मजदूरों की आवश्यकता होगी, इस काम के लिए 500 – 1000 मजदूर बुलाए जाते तो भी इतनी मात्रा में शराब, वह भी एक दिन में और मात्र एक-दो घंटे के भीतर नष्टीकरण साइट पर ले जाना और नष्ट कराना असंभव है।यह मान लिया जाए कि शराब अलग-अलग दिनों में नष्टीकरण साइट पर शिफ्ट की गई तब तो अलग-अलग दिनों के कई पंचनामें बनेंगे जो नहीं बने और फिर इतनी शराब को एक साथ रखने की जगह (फोटो में दिख रही जगह अनुसार) है ही नहीं। फिर कुछ घंटे में इतनी बड़ी मात्रा में शराब कैसे और किस तरह नष्ट कर दी गई बड़ा सवाल है। चूंकि ये मामला आबकारी के बड़े अधिकारियों और रसूखदारों से भी जुड़ा है, लिहाजा इसकी उच्च स्तरीय जांच से ही कई प्रश्नों के जबाब मिलेंगे।

पीएम जनमन योजना से बदल रहा जनजातीय समुदाय का जीवनः राज्यपाल

राज्यपाल ने कटनी जिले के ग्राम कोठी में बैगा परिवारों से किया संवाद

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकार विशेष पिछड़ी जनजातियों को प्राथमिकता के साथ लाभान्वित कर रही हैं। पीएम जन-मन योजना के द्वारा बैगा, सहरिया एवं भारिया विशेष पिछड़ी जनजातीय बसाहटों में पक्का आवास, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का विशेष प्रयास किया जा रहा है।

राज्यपाल पटेल ने यह बात कटनी जिले के ढीमरखेड़ा तहसील के पीएम जनमन ग्राम कोठी में बैगा जनजाति के लोगों से संवाद के दौरान कही। राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में जनमन ग्रामों के समग्र विकास के लिए दूरदर्शी और संवदेनशील नेतृत्व मिलना हम सब के लिए सौभाग्य की बात है।

पीएम जनमन योजना के हितग्राहियों का गृह प्रवेश

राज्यपाल मंगुभाई पटेल जनमन ग्राम कोठी में बैगा हितग्राहियों के साथ संवाद कार्यक्रम के पहले, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के हितग्राहियों के घर भी पहुचें। उन्होंने योजना से लाभ मिलने के बाद हितग्राही के जीवन में आए बदलाव को जाना। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सर्वप्रथम पीएम जनमन आवास हितग्राही चंदाबाई बैगा, भल्लू बैगा और सोनी बैगा को प्रधानमंत्री आवास योजना से बने पक्के आवास में विधि-विधान और पूजा-अनुष्ठान के साथ गृह प्रवेश कराया। राज्यपाल पटेल का बैगा समुदाय के लोगों ने तिलक लगाकर और शाल पहनाकर स्वागत किया। बैगा परिवारों ने उपहार स्वरूप उन्हें लोक कला पर आधारित पेन्टिंग भेंट की गई। राज्यपाल पटेल ने कहा कि स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाओं का आर्थिक और सामाजिक विकास हुआ है। महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। महिलाएं अब स्वयं का रोजगार शुरू कर आत्मनिर्भर बन रही है। परिवार में भी महिलाओं का मान सम्मान बढ़ा है। राज्यपाल पटेल ने संवाद कार्यक्रम में लाभान्वित हितग्राहियों से चर्चा भी की। इस दौरान आजीविका मिशन के मुर्गी पालन समूह की दीदी राजकुमारी ने बताया कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद करीब 8 हजार रूपये प्रतिमाह की अतिरिक्त आमदनी हो जाती है।

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंदों को रियायती दर पर भोजन की सुविधा

अब तक कुल 4 करोड़ से अधिक भोजन थाली कराई गई उपलब्ध

भोपाल। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में व्यवसाय और श्रम कार्य के लिये ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गरीब परिवारों को नगरीय एवं आवास विभाग द्वारा रियायती दर मात्र 5 रुपये में थाली उपलब्ध करायी जा रही है। प्रदेश में संचालित दीनदयाल रसोई योजना का 3 चरणों में विस्तार किया गया है। योजना में अब तक 4 करोड़ से अधिक भोजन थाली जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई जा चुकी है।

वर्तमान में 124 नगरीय निकायों में 191 रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। इनमें 166 स्थायी और 25 चलित रसोई केन्द्रों से शहरी जरूरतमंदों को भोजन थाली उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश के 16 नगर निगमों में 58 स्थायी रसोई केन्द्र, 99 नगरपालिका परिषद में 99 स्थायी रसोई केन्द्र और 9 नगर परिषदों में 9 स्थायी रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में संचालित 25 चलित रसोई केन्द्र में से 16 नगर निगमों में 23 चलित रसोई केन्द्र और 2 नगरपालिका परिषद में 2 चलित रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। नगरीय निकायों में चलित रसोई केन्द्र की सुविधा इसलिये प्रारंभ की गई है कि जरूरतमंदों को उनके श्रम स्थान पर पहुंचकर ही भोजन थाली उपलब्ध कराई जा सके।

संस्था को दी जाने वाली अनुदान राशि

नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा रसोई योजना संचालित करने वाली संस्था को विभाग द्वारा प्रति थाली 10 रुपये अनुदान राशि उपलब्ध करायी जा रही है। रसोई योजना का संचालन प्रतिदिन प्रात- 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रसोई केन्द्र में स्वच्छता के साथ किये जाने की व्यवस्था की गयी है। व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी नगरीय निकायों के अमले को सौंपी गयी है। शहरी क्षेत्र में 25 चलित रसोई केन्द्रों के लिये सुसज्जित वाहन विभाग द्वारा नगरीय निकायों को दिये गये हैं। प्रदेश के 6 धार्मिक नगरों मैहर, चित्रकूट, ओंकारेश्वर, महेश्वर, ओरछा और अमरकंटक में भी रसोई केन्द्र की व्यवस्था की गयी है। इन धार्मिक नगरों में बड़ी संख्या में निर्धन वर्ग के श्रद्धालु इन स्थानों पर पहुंचते हैं। विभाग द्वारा योजना के विस्तार के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

नेशनल लोक अदालत 8 मार्च को

बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण में करायें समझौताः प्रद्युम्न सिंह तोमर

भोपाल। आगामी 08 मार्च 2025 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को आपसी समझौतो से निराकृत किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के लिये निम्न दाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी।

प्रि-लिटिगेशन स्तर पर

कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

लिटिगेशन स्तर पर

कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छ:माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। आवेदक को निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आकलित सिविल दायित्व एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। उपभोक्ता/उपयोगकर्ता को विचाराधीन प्रकरण वाले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन/संयोजनों के विरूद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान भी करना होगा।

मीडिया और सिनेमा की समाज में महत्वपूर्ण भूमिकाः कृष्णा गौर

भोपाल। मीडिया और सिनेमा की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका है। फिल्में समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है। हमारी फिल्में केवल कथा और कहानी नहीं होतीं, इनमें राष्ट्र और समाज को सशक्त करने का संदेश भी होता है। आज के डिजिटल युग में मीडिया और सिनेमा की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर सेज विश्वविद्यालय के सभागार में सतपुड़ा चलचित्र समिति के ग्वालियर शार्ट फिल्म फेस्टिवल के पोस्टर विमोचन समारोह को संबोधित कर रही थी। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि ग्वालियर शार्ट फिल्म फेस्टिवल में युवा भाग लेगें और अपनी रचानात्मक और सृजनात्मक क्षमता से नवाचार करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें युवा पीढ़ी पर गर्व है। युवा वर्ग देश में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि युवाओं की समाज और देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि फिल्मों के माध्यम से सामाजिक मूल्यों, परम्पराओं और संस्कृति को संरक्षित करने के साथ ही समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण कार्य किया जा सकता है। सतपुड़ा चलचित्र समिति इस दिशा में बहुत अच्छा कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय सिनेमा ने हमारे राष्ट्रवाद, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विविधता को सशक्त किया है। उन्होंने कहा कि सिनेमा को समाज से जोड़ने का माध्यम बनाने की दिशा में समिति का प्रयास सराहनीय है।

मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि आज के युग में कुछ डिजिटल प्लेटफार्म पर असामाजिक व्यक्ति परिवारिक मूल्यों को नष्ट करने का दुष्प्रयास कर रहे है। ऐसे समय में सतपुड़ा चलचित्र समिति जैसी संस्थाओं की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

उन्होंने कहा कि ग्वालियर शार्ट फिल्म फेस्टिवल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक विचारधारा का विस्तार है। यह नवोदित फिल्मकारों के लिये एक मंच है। इस फेस्टिवल के माध्यम से हम ऐसे सिनेमा को प्रोत्साहित करेगें जो भारतीय मूल्यों को संरक्षित रखते हुए समाज के समक्ष सार्थक विषय प्रस्तुत कर रहे हैं। ग्वालियर शार्ट फिल्म फेस्टिवल के पोस्टर विमोचन समारोह के प्रारंभ में सतपुड़ा चलचित्र समिति और विश्व संवाद केन्द्र मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री लाजपत आहूआ ने कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

किसानों को उपार्जित गेहूं का भुगतान समय पर करें

प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रश्मि अरूण शमी ने की समीक्षा

भोपाल। प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने गुरूवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सागर एवं शहडोल संभाग के कमिश्नर एवं कलेक्टर्स से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसानों से अच्छी गुणवत्ता का गेहूं उपार्जित करें।

साथ ही उपार्जित गेहूं का भुगतान समय पर करें। गौरतलब है कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गत दिनों गेहूं उपार्जन की समीक्षा के दौरान जिलेवार उपार्जन तैयारियों की समीक्षा के निर्देश दिये थे।

श्रीमती शमी ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिये सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। किसानों को गेहूं उपार्जन के लिये पंजीयन कराने के लिये जागरूक करें। उन्होंने संभागायुक्त और जिलों के कलेक्टर्स से अलग-अलग बात कर गेहूं उपार्जन के लिये की गई तैयारियों की जानकारी ली। अभी तक 3 लाख से अधिक किसान गेहूं उपार्जन के लिये पंजीयन करा चुके हैं। श्रीमती शमी ने बताया कि वेयर हाउस के लंबित भुगतान भी जल्द किये जायेंगे। उन्होंने उचित मूल्य दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों का ई-केवायसी कराने के निर्देश भी दिये। उन्होंने बताया कि गेहूं उपार्जन के लिये किसान 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में गेहूं का उपार्जन 1 मार्च से 18 अप्रैल तक होगा। शेष संभागों में 17 मार्च से 5 मई तक गेहूं का उपार्जन किया जायेगा।

संचालक खाद्य कर्मवीर शर्मा ने कहा कि उपार्जित गेहूं का परिवहन जल्द किया जाये। गेहूं के भंडारण की समुचित व्यवस्था करें। उपार्जन केन्द्रों की माइक्रो प्लानिंग करें। इस बात ध्यान रखें कि उपार्जन केन्द्रों में किसानों को कोई कठिनाई नहीं हो। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों का सत्यापन कराएं।

उचित मूल्य दुकान के स्टॉक का भौतिक सत्यापन 7 दिन में करा लें। उपार्जन कार्यों की मॉनिटरिंग के लिये संबंधित अधिकारियों की ड्यूटी लगाएं। उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त बारदानों की व्यवस्था करें। एमडी नागरिक आपूर्ति निगम अनुराग वर्मा ने किसानों के रजिस्ट्रेशन पर जोर दिया।

बदले जाएंगे जिला अध्यक्ष, कांग्रेस प्रदेश प्रभारी ने ली बैठक

जिला-ब्लाक स्तर पर युवाओं को मिलेगा मौका

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी पद संभालने की बाद लगातार बैठकें ले रहे हैं। गुरुवार को कांग्रेस संगठन की बैठक पीसीसी भोपाल में हुई। बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की मौजूदगी में जिला अध्यक्षों से वन टू वन चर्चा हुई। इस बैठक में तय किया गया कि जो जमीन पर काम करेगा उसी को पद पर रहने का अधिकार है।

घर बैठे लोगों को जल्द हटाने की बात कही गई है। जानकारी के अनुसार कई जिला अध्यक्षों को बदलने पर भी बात हुई है। जब कि युवाओं को मौका ने पर जोर दिया गया। प्रदेश प्रभारी ने कहा है कि संगठन को मजबूत करना सभी का लक्ष्य होना चाहिए।

काम नहीं करने वालों पर जताई नाराजगी

मिली जानकारी के मुताबिक बैठक में नेताओं के सामने महिला पदाधिकारी ने जमकर अपना गुस्सा निकाला। पद लेकर घर में बैठने वाले नेताओं पर नाराजगी जताई। उन्होने कहा कि संघर्ष के समय कुछ नेता काम नहीं करते। जो काम नहीं करते वो मंच के आगे आकर बैठ जाते हैं। साल 2018 में सरकार बनी तो ऐसे लोग सक्रिय हो गए और जब सरकार गई तो फिर गायब हो गए। पीसीसी चीफ से कहा ऐसे लोगों को चिन्हित करना चाहिए।

संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी

प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने बैठक में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। कई जिलों के अध्यक्ष हटाए जा सकते हैं। ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति में भी उम्र का क्राइटेरिया तैयार है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि गाइडलाइंस के अनुसार 45 साल से कम उम्र के ब्लॉक अध्यक्ष बनाए जाएंगे। जहां जरूरत होगी वहां के जिला अध्यक्षों में भी बदलाव होगा। बैठक में 14 जिलों की संगठनात्मक जानकारी ली गई।

मजबूत संगठन और प्रभावी जनसंपर्क की रणनीति

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक जिले और ब्लॉक स्तर पर आम जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को उठाएंगे और सरकार की नाकामियों को उजागर करेंगे। प्रदेश कांग्रेस पार्टी आने वाले समय में महंगाई, बेरोजगारी, किसान और आदिवासी हितों, महिला सुरक्षा और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी। जीतू पटवारी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ जनता के बीच जाएं और कांग्रेस की नीतियों को मजबूती से रखें। वहीं, नेता प्रतिपक्षउमंग सिंघार ने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियां आम जनता के खिलाफ हैं, और कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि कांग्रेस पार्टी आगामी चुनावों के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ तैयारी करेगी।

सीएमएचओ कार्यालय और नगर निगम की संयुक्त पहल पर शहर के विभिन्न गार्बेज ट्रांसफर स्टेशंस में लग रहे स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

भोपाल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल द्वारा नगर निगम के सहयोग से गार्बेज ट्रांसफर स्टेशंस में लगाए जा रहे स्वास्थ्य शिविरों में अब तक 1734 स्वच्छताग्राही विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित हुए हैं। शिविरों की शुरुआत 27 जनवरी को आदमपुर स्थित प्रोसेसिंग साइट से की गई थी। शिविर दाना पानी ट्रांसफर स्टेशन, जाटखेड़ी, भदभदा ट्रांसफर स्टेशन, बाबा नगर शाहपुरा, कजलीखेड़ा, शाहजहानी ट्रांसफर स्टेशन, राजेंद्र नगर ट्रांसफर स्टेशन, बैरागढ़ ट्रांसफर स्टेशन, ईदगाह ट्रांसफर स्टेशन, गोविंदपुरा ट्रांसफर स्टेशन, आरिफ नगर ट्रांसफर स्टेशन में आयोजित हो चुके हैं। शिविर 5 मार्च तक लगाए जाएंगे। भोपाल में नगर निगम के 15 गार्बेज स्टेशन हैं। प्रत्येक गार्बेज स्टेशंस पर लगातार दो दिनों तक शिविर लगाए जा रहे हैं। पहली बार इन सभी जगहों पर स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा दी जा रही है। शिविरों में कर्मचारियों के साथ साथ उनके परिजनों, क्षेत्रीय नागरिकों को भी स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। शिविरों में स्वास्थ्य परीक्षण, निशुल्क जांच, दवा वितरण और असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग, आभा आईडी, आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा दी जा रही है। मोबाइल आई वैन के माध्यम से आंखों की जांच कर नि:शुल्क चश्मे भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।